RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
साझा करें अपने मित्रों से
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
श्रीकंचनपथ ONLINE
वर्ष- 13, अंक - 291 | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, रविवार 7 अगस्त 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

बिजली गिरने की अलग-अलग घटनाओं में 23 भेड़ सहित पांच लोगों की मौत

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में शनिवार को बिजली गिरने की अलग-अलग घटनाओं में 23 भेड़ों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। जिले के पांच गावों में हुई इन घटनाओं में चार लोग घायल हो गए।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कियारी गांव में 18 वर्षीय श्याम कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई। वह अपनी बहन के साथ घर जा रही थी। घायल होने के बाद उसे इलाज के लिए बिलासपुर रेफर कर दिया गया था। इसी तरह की घटना में उसी गांव के 30 वर्षीय अनिल यादव की भी मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।

अकालतारा क्षेत्र के मधुवा गांव निवासी महेश डोंगरे (56 वर्षीय) की बारिश के बीच खेत में काम करने के दौरान आसमान से बिजली गिरने से मौत हो गई। चोरभट्टी गांव में 50 वर्षीय दिलीप यादव अपने बेटे के सात घर लौट रहे थे, बिजली गिरने से उनकी उसी समय मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह की घटना में चांपा इलाके के सिवनी गांव के विजय राठौर की भी मौत हुई। उन्होंने बताया कि विजय को चांपा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया और बांद में उनकी स्थिति गंभीर होने के कारण जिला अस्पताल रेफर किया गया था। उन्होंने बताया कि पामगढ़ इलाके के सेमरिया गांव में शाम को बिजली गिरने से 23 भेड़ों की मौत हो गई।

धनखड़ की धाकड़ जीत से बीजेपी ने विपक्षी एकता में लगाई सेंध, बिखरा कुनबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति चुनावों में एनडीए के उम्मीदवार की जीत पहले से तय थी लेकिन इसके बावजूद विपक्ष ने अपना प्रत्याशी मैदान में उतारा। वजह साफ थी कि वह विपक्ष के तौर पर लड़ते हुए दिखना चाहता था। लेकिन वह इसमें सफल नहीं रहा। विपक्ष के पास इस चुनाव में खुद को मजबूती से पेश करने की कोई ठोस रणनीति नहीं दिखी। नतीजा यह हुआ कि चुनाव में विपक्ष का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। जबकि एनडीए का प्रदर्शन पिछली बार से भी बेहतर हुआ है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि विपक्ष बंटा हुआ है तथा किसी भी चुनाव में उसके लिए एकजुट हो पाना आसान नहीं है।

पिछले उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार रहे एम. वेंकैया नायडू को 516 मत मिले थे जो कुल मान्य मतों 760 का 68 फीसदी था। जबकि विपक्ष के उम्मीदवार गोपालकृष्ण गांधी को 32 फीसदी यानी 244 मत मिले थे। उम्मीद की जा रही थी कि इस बार विपक्ष का प्रदर्शन बेहतर होना चाहिए। लेकिन यह और भी खराब हो गया। विपक्षी उम्मीदवार मार्ग्रेट अल्वा को मान्य मतों का महज 26 फीसदी यानी 182 मत मिले जबकि एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को 74 फीसदी मत हासिल हुए।

अकाली, शिवसेना भी एनडीए के साथ गए

उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी एकता का आलम यह रहा है कि एक प्रमुख विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव से दूर रहने का फैसला लिया। उसका तर्क था कि उम्मीदवार तय करने के लिए उससे परामर्श नहीं किया। उसके 34 सांसदों ने मतदान नहीं किया। इसी प्रकार शिरोमणि अकाली दल ने बिना मांगे एनडीए का समर्थन किया। उसका तर्क है कि धनखड़ किसान पुत्र हैं, इसलिए उनका समर्थन किया। जब यह सब प्रक्रिया चल रही थी तो महाराष्ट्र में शिवसेना में टूट हुई तथा जो शिवसेना पहले विपक्ष के साथ थी, उसका बड़ा हिस्सा एनडीए के साथ चला गया।

चुनाव के अंत तक यह स्पष्ट नहीं हो रहा था कि विपक्षी एकता का दम भरने वाली टीआरएस किसके साथ है। मतदान से एक दिन पहले टीआरएस ने विपक्ष के उम्मीदवार को समर्थन देने की घोषणा की। आखिर सवाल यह उठता है कि जब वह सरकार के साथ नहीं है तो फिर विपक्ष के उम्मीदवार को समर्थन में देरी क्यों? सिर्फ इसलिए क्योंकि विपक्षी दलों के अपने-अपने हित हैं जो आपस में टकराते हैं तथा जिसके चलते वे एकजुट होकर ताकतवर नहीं बन पाते हैं।

वाईएसआर और बीजेडी ने भी दिया एनडीए का साथ

इसी प्रकार वाईएसआर कांग्रेस और बीजद ऐसे दल हैं जो एनडीए का हिस्सा नहीं हैं। लेकिन कई मौकों की तरह वे इस बार भी एनडीए के साथ खड़े रहे। विपक्ष इन्हें अपने साथ नहीं ले पाया। कांग्रेस अभी भी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है लेकिन उम्मीदवार के चयन से लेकर विपक्षी दलों को एकजुट करने के कार्य को वह कुशलतापूर्वक अंजाम दे पाने में असफल रही है।

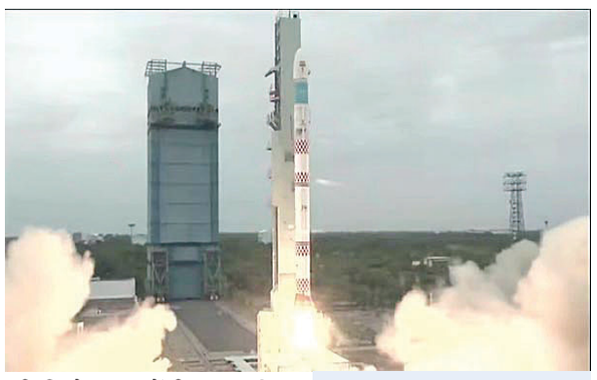

देश का सबसे छोटा रॉकेट एसएसएलवी-डी1 लॉन्च, लेकिन सैटेलाइट्स से डाटा मिलना हुआ बंद

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को अपने पहले स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल SSLV-D1 को आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च कर नया इतिहास रच दिया है। स्स्क्क-ष्ठ1, 750 छात्रों द्वारा निर्मित सैटेलाइट 'आजादी सैट' और पृथ्वी अवलोकन उपग्रह-02' (EOS-02) को भी अपने साथ ले गया है। देश के सबसे छोटे रॉकेट की लॉन्चिंग तो सफल रही लेकिन मिशन के अंतिम चरण में वैज्ञानिकों को थोड़ी निराशा हाथ लगी है। दरअसल, इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने बताया है कि SSLV-D1 ने सभी चरणों में अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन किया और सैटेलाइट को कक्षा में भी पहुंचा दिया। लेकिन मिशन के अंतिम चरण में, कुछ डाटा की क्षति हो रही है जिससे सैटेलाइट से संपर्क टूट गया है। इसरो मिशन कंट्रोल सेंटर लगातार डाटा लिंक हासिल करने का प्रयास कर रहा है। हम जैसे ही लिंक स्थापित कर लेंगे फिर देश को सूचित करेंगे।

SSLV-D1 देश का सबसे छोटा रॉकेट

बता दें कि SSLV-D1 देश का सबसे छोटा रॉकेट है। 110 किलो वजनी SSLV तीन स्टेज का रॉकेट है जिसके सभी हिस्से सॉलिड स्टेज के हैं। इसे महज 72 घंटों में असेंबल किया जा सकता है। जबकि बाकी लॉन्च व्हीकल को करीब दो महीने लग जाते हैं।

इस रॉकेट की लॉन्चिंग से PSLV का लोड होगा कम

SSLV रॉकेट की लॉन्चिंग से PSLV छोटे सैटेलाइट्स के लोड से मुक्त हो जायेगा क्योंकि वह सारा काम अब एसएसएलवी करेगा। ऐसे में पीएसएलवी को बड़े मिशन के लिए तैयार किया जाएगा।

एसएसएलवी के फायदे

- सस्ता और कम समय में तैयार होने वाला।
- 34 मीटर ऊंचे एसएसएलवी का व्यास 2 मीटर है, 2.8 मीटर व्यास का पीएसएलवी इससे 10 मीटर ऊंचा है।
- यह SSLV छोटे सैटेलाइट को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने में सक्षम होगा।
- एसएसएलवी (SSLV) की लॉन्चिंग से पावरफुल पीएसएलवी छोटे सेटेलाइट्स के लोड से मुक्त हो जायेगा। क्योंकि वह सारा काम अब SSLV ही करेगा।

भविष्य में बढ़ते स्माल सैटेलाइट मार्केट के लिए उपयोगी

भविष्य में बढ़ते स्माल सैटेलाइट मार्केट और लॉन्चिंग को देखते हुए SSLV-D1 कारगर साबित होने वाला है। इसकी लॉन्चिंग के बाद से विदेशों में भी इसकी मांग बढ़ जाएगी। एसएसएलवी अपने साथ 500 किलोग्राम वजनी पेलोड ले जाने में सक्षम है, जो कि 500 किलोमीटर की ऊंचाई की कक्षा में सैटेलाइट स्थापित करेगा। जबकि इसकी तुलना में पीएसएलवी 1750 वजनी पेलोड को सन सिंक्रोनस ऑर्बिट यानी 600 किलोमीटर ऊपर कक्षा में स्थापित कर सकता है।

EOS-02 और आजादी सैटेलाइट की खासियत

माइक्रो श्रेणी के EOS-02 उपग्रह में इंफ्रारेड बैंड में चलने वाले और हाई स्पेशियल रेजोल्यूशन के साथ आने वाले आधुनिक ऑप्टिकल रिमोट सेंसिंग दिए गए हैं और इसका वजन 142 किलोग्राम है। EOS-02 10 महीने के लिए अंतरिक्ष में काम करेगा। वहीं आजादी सैट आठ किलो का क्यूबसैट है, इसमें 50 ग्राम औसत वजन के 75 उपकरण हैं। इन्हें ग्रामीण भारत के सरकारी स्कूलों की छात्राओं ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर इसरो के वैज्ञानिकों की मदद से बनाया। वहीं स्पेस किड्स इंडिया के विद्यार्थियों की टीम ने धरती पर प्रणाली तैयार की जो उपग्रह से डाटा रिसीव करेगी। यह सैटेलाइट नई तकनीक से लैस है जो कि फॉरेस्ट्री, एग्रीकल्चर, जियोलॉजी और हाइड्रोलॉजी जैसे क्षेत्रों में काम करेगा।

सरकारी दफ्तरों के बाद अब प्रदेश के सभी 33 जिला मुख्यालयों में लगेगी 'छत्तीसगढ़ महतारी' की प्रतिमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सभी सरकारी कार्यालयों में छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो लगाने के बाद अब भूपेश बघेल सरकार प्रदेश के सभी 33 जिला मुख्यालयों में 'छत्तीसगढ़ महतारी' की प्रतिमाएं लगाने की योजना बना रही है। दरअसल, छत्तीसगढ़ राज्य को माता का दर्जा देते हुए छत्तीसगढ़ महतारी से संबोधित किया जाता है। 'छत्तीसगढ़ महतारी' को माँ का स्वरूप दिया गया है। पारंपरिक रूप से हरे रंग की साड़ी पहने और हाथों में धान-हंसिया लिए दर्शाया गया है। पिछले महीने, प्रदेश सरकार ने राज्य में सभी सरकारी कार्यक्रमों में 'छत्तीसगढ़ महतारी' के चित्र को प्रमुखता से प्रदर्शित करने का निर्णय लिया था।

सीएम भूपेश बघेल हमेशा कहते हैं कि 'छत्तीसगढ़ का वैभव, संपन्नता हमारे किसानों से है। उनकी खुशहाली में छत्तीसगढ़ महतारी का ही आशीर्वाद है। छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र को सभी शासकीय कार्यक्रमों में प्रमुखता से स्थान देने का निर्णय लिया, जिससे हमें हमारी माटी के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति का स्मरण हो सके।' छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के आयुक्त दीपांशु काबरा ने बताया कि छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के निर्माण का उद्देश्य राज्य के लोगों में क्षेत्रीय गौरव की भावना पैदा करना है। अगले कुछ महीनों में सभी जिला मुख्यालयों पर प्रतिमा लगाने की योजना है।

छत्तीसगढ़ में फिर पैर पसार रहा कोरोना, पिछले 24 में मिले 493 नए मामले, चार की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से कोरोना अपने पैर पसार रहा है। कोरोना से हो रही लोगों की मौत ने चिंता बढ़ा दी है। पिछले 24 घंटों में छत्तीसगढ़ में कोरोना के 493 नए मामले आए हैं, इसके बाद संक्रमितों की संख्या 11,68,930 हो गई है।

राज्य में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को संक्रमण से उबरे पांच लोगों को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई, वहीं 626 लोगों ने घर पर आइसोलेशन की अवधि पूरी की। राज्य में शनिवार को चार मरीजों की मृत्यु हुई।

रहस्यमयी बीमारी का कहर, 800 की आबादी वाले गांव में 50 से ज्यादा लोगों की मौत से हड़कंप

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में एक रहस्यमयी बीमारी का कहर सामने आया है। जिसमें पिछले कुछ महीनों के दौरान 50 से ज्यादा लोगों की मौत से हड़कंप मच गया था। मामला जिले के सुदूर रेगडगट्टा गांव का है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रेगडगट्टा गांव में 6 महीने के दौरान रहस्यमयी बीमारी से अब तक 61 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि यहां दो साल में 50 से 52 लोगों की मौत हुई है। वहीं, जान गंवाने वालों के परिजनों को पता नहीं चल सका कि इन लोगों की मौत कैसे हुई।

गांव में दहशत का माहौल

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस गांव में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हुई, वहां करीब 800 लोगों की आबादी है। रहस्यमयी बीमारी से करीब 6 महीने में इतने लोगों की मौत से आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई है। परिजनों को नहीं पता कि उनके घर के सदस्य किस बीमारी के चपेट में हैं। ग्रामीणों के अनुसार इस रहस्यमयी बीमारी में उन्हें पैरों और शरीर के अंगों में सूजन और दिल की धड़कन की शिकायत होती है। हालांकि लोगों की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है।

भारी बारिश की चेतावनी, मौसम विभाग ने जारी किया रेड ऑरेंज और यलो अलर्ट, बिजली गिरने की भी संभावना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मॉनसून एक बार फिर सक्रिय हो रहा है। सिस्टम बनने से प्रदेश के दक्षिणी क्षेत्र यानी बस्तर संभाग के 7 जिलों में भारी से अति भारी बारिश की संभावना है। कुछ जगहों पर आकाशीय बिजली भी गिर सकती है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे, 48 घंटे और 72 घंटे के लिए अलर्ट जारी किया है। 24 घंटे के लिए ऑरेंज और यलो अलर्ट, 48 घंटे के लिए ऑरेंज और रेड और 72 घंटे के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक भारी बारिश का क्षेत्र मुख्यत: दक्षिण छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है। दक्षिण क्षेत्र में बस्तर संभाग के 7 जिले आते हैं।

मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा के मुताबिक मॉनसून द्रोणिका कोटा, रायसेन, रायपुर, दीघा और उसके बाद दक्षिण- पूर्व की ओर पूर्व-मध्य बंगाल की तक खाड़ी तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा झारखंड और उससे लगे गंगेटिक पश्चिम बंगाल के ऊपर 3.1 किलोमीटर ऊंचाई तक फैली हुई है। दूसरा ऊपरी हवा का चक्रवाती घेरा उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश और उससे लगे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर 4.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। प्रदेश के दक्षिण क्षेत्र में गरज चमक के साथ भारी वर्षा भी होने की संभावना है।

दक्षिण छत्तीसगढ़ में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में गरज चमक के साथ एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा भी होने की संभावना है। वर्षा का क्षेत्र मुख्यत: दक्षिण छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है। मौसम विभाग द्वारा आगामी 24 घंटे, 48 घंटे और 72 घंटों के लिए रेड, ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया गया है। तीन दिनों की इस चेतावनी में बस्तर संभाग के सात जिले बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, कोंडागांव, कांकेर व नारायणपुर शामिल हैं। वहीं मध्य छत्तीसगढ़ के धमतरी और गरियाबंद जिले शामिल हैं। राहत आयुक्त ने प्रदेश के लोगों को मौसमी घटनाओं से अपडेट रहने और सतर्कता बरतने को कहा गया है।

हेट स्टोरी: छापे की राजनीति और मीडिया ट्रायल

दीपक रंजन दास

गुस्ताखी माफ

देश में कम्युनिस्ट भले ही हाशिए पर चले गए हों पर उद्योगपतियों और पूंजीपतियों को चोर समझने की मानसिकता पर इसका कोई असर नहीं हुआ है। किसी बड़े का नुकसान होते, उसकी छीछालेदर होते, उसकी मिट्टी पलीद होते देखकर आम आदमी खुश ही होता है। छापे की राजनीति यहीं से शुरू होती है। बड़े लोगों के यहां छापे मारना शुरू कर दो, लोग तालियां बजाने लग जाते हैं। सरकार की जय-जयकार होने लगती है। दिक्कत केवल यही है कि केन्द्रीय एजेंसियां केवल उन्हीं राज्यों में सक्रिय होती हैं जहां उसकी अपनी सरकार नहीं होती। परेशानी का सबब यह भी है कि ये छापे चुनाव से साल-छह माह पहले पड़ते हैं। सरकारी एजेंसियां छापा मारती हैं और बाकी काम उनकी पोषित मीडिया कर देती है। छापे की खबरों की जुमलेबाजी भी लगभग फिक्स होती है ङ्क करोड़ों की चल-अचल संपत्ति और करोड़ों के दस्तावेज। बैंकों में लॉकर। आम आदमी को लगता है कि ये सब अवैध है। उनके खून-पसीने की कमाई यहां छिपाई गई है। उनका खून चूसकर यह रकम इकट्ठा की गई है। इनमें से अधिकांश मामलों में कार्रवाई सालों-साल चलती है। अंत-पंत अधिकांश मामले खारिज हो जाते हैं। पर तब तक सरकार का काम हो जाता है। इस देश में सबसे बड़ा गुनाह है अपनी हैसियत बनाना। यदि हैसियत बनानी है तो सबसे पहले राजनीतिक दलों के लिए थैली का मुंह खोल दो। इसमें भी मुसीबत है। यदि आपने गलत पार्टी को फाइनेंस कर दिया तो आपकी खैर नहीं। जिसके हाथ में जितना पावर, वह उसका उतनी ही बेशर्मी से इस्तेमाल करता है। हम चोरों पर कार्रवाई के खिलाफ नहीं हैं। हम दोष सिद्ध होने से पहले ही आदमी के चेहरे पर कालिख पोते जाने के खिलाफ हैं। ऐसे छापे आम तौर पर उन लोगों के यहां पड़ते हैं जो देश में रोजगार का सृजन कर रहे हैं। उनकी फैक्ट्री-दफ्तर सबकुछ सील करने का मतलब अर्थव्यवस्था को मजबूत करना तो हो नहीं सकता। सवाल यह है कि क्या ये कार्रवाई गुप्त नहीं हो सकती? ईडी को, आईटी को यदि कुछ भी संदिग्ध मिलता है तो वह उसकी जांच करे। पूछताछ भी करे। दोष सिद्ध करे और फिर संपत्ति कुर्क करने के साथ ही दोषी की इज्जत नीलाम कर दे। कोई नहीं रोकेगा। पर यहां तो कुल जरूरत ही अगले की इज्जत नीलाम करने की है, फिर चाहे दोष सिद्ध हो या न हो। ढोल नगाड़े बजाकर, अपनी पसंदीदा मीडिया को स्टोरी लीक कर छापेमारी शुरू करो। महीनों पूछताछ करो और करते ही चले जाओ। वैसे भी टैक्स के पैसे का उपयोग संदिग्ध हो चला है। सरकार इस राशि को अपनी खामख्याली पर खर्च करती है। व्यवसायियों का एक बड़ा वर्ग इससे नाराज है। वह कहता है कि इससे तो अच्छा है कि मंदिर, धर्मशाला, अनाथालय को चंदा दे दो। बाप-दादा का नाम तो होगा।

ABIR
CREATIVES AND DECOR
Arpit Jain
Mo. 7798719614
abircreatives.abcd@gmail.com
GSTIN : 22ALZPJ3876D1ZS

SERVICES
Jali Cutting, Led Signage, Interiors, Side Panels, Doore, Event Related Works, Letter Cutting, Ceiling Works

MATERIALS
3D and 2D Engraving on Wood, MDF, PVC, Actylic, Corain, WPC, ACP, Brass, Copper, Aluminum and Much More

Navkar Parisar, Front of Jio/Reliance Patrol Pump, Pulgaon Nala, Ganjpara, Durg

संपादकीय

महामहिम के सामने चुनौतियां

अब भारत गणराज्य को पूर्वी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हैं । शपथ के बाद उन्होंने कार्यभार संभाल लिया है । वह प्रथम आदिवासी महिला हैं, देश के असंख्य गरीबों, दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों की प्रतिबिम्ब हैं, यह देश के युवाओं, बेटियों और महिलाओं का एक आदर्श चेहरा हैं, प्राथमिकता है और सामर्य की झलक हैं, वह स्वतंत्र भारत में जन्मीं बेटी हैं, जो देश की राष्ट्रपति हैं, वह भारतीय लोकतंत्र की शक्ति का उदाहरण हैं कि एक गरीब, पिछड़ी, अंधेरों में घिरी बेटी और दूरदराज के आदिवासी इलाकों की एक चेहरा आज भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक नया सूत्र वाक्य दिया है- सबका प्रयास, सबका कर्तव्य। बेशक यह प्रधानमंत्री मोदी के सूत्र वाक्य का ही विस्तार है। राष्ट्रपति देश के औसत नागरिक को प्रयास और उसके कर्तव्य का बोध भी करा रही हैं। महामहिम द्रौपदी मुर्मू का ज़िन्दगीनामा और अभाव, विरोधाभासों के बीच संघर्षो का सफरनामा देश के सामने अब एक खुली किताब है। अब उनके संवैधानिक जीवन का नया अध्याय शुरू हुआ है, लिहाजा उसी आधार पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि महामहिम मुर्मू क्या निर्णय लेती हैं। वह जुहरीली राजनीति की प्रतिनिधि है अथवा मूर्ति साबित होंगी, ऐसी कीचडनुमा राजनीति पीछे छोड़ देनी चाहिए, क्योंकि आज वह संपूर्ण भारत की राष्ट्रपति हैं। फिलहाल अच्छी-अच्छी बातें करने या मुर्मू का स्तुतिगान करने की परंपरा रही है, लिहाजा आलोचना वक्त पर ही करनी चाहिए, लेकिन आदिवासी समाज के कुछ कुरूप यथार्थ भी हैं, जो महामहिम मुर्मू के संज्ञान में भी होंगे। फिर भी प्रसंगवश हम कुछ आंकड़े पेश कर रहे हैं। 21वीं सदी के भारत और विकास के दावों के बावजूद करीब 73 फीसदी ग्रामीण आदिवासी घरों में शौचालय नहीं हैं। करीब 21 फीसदी घरों में बिजली नहीं है। करीब 75 फीसदी घरों में जल का स्रोत नहीं है। करीब 91 फीसदी घरों की रसोई तक साफ ईंधन की पहुंच नहीं है। करीब 78 फीसदी लोगों के पास पक्का घर नहीं है। मात्र 1.4 फीसदी ग्रामीण आदिवासी ही पक्के घर में रहते हैं, जिनमें बिजली, पानी और शौचालय की व्यवस्था है। करीब 35 फीसदी किसानी करते हैं, तो करीब 45 फीसदी खेतिहर मज़दूर हैं। उनके पास जमीन या तो नगण्य है अथवा विवादास्पद है। वनों पर आदिवासियों का ही प्रथम अधिकार होना चाहिए, यह बहस दशकों से जारी है। आंदोलन भी किए गए हैं, लेकिन वस्तुस्थिति कुछ और ही है। आदिवासियों में 5 साल की उम्र तक के करीब 45 फीसदी बच्चों का वजन कम है, क्योंकि ये कुपोषित है। करीब 26 फीसदी स्कूलों में पेयजल ही नहीं है और करीब 71 फीसदी स्कूलों में बिजली नहीं है। करोब 186 फीसदी स्कूलों की चारदीवारी पक्की नहीं है। स्कूलों से बच्चों का ड्रॉप आउट औसत भी चिंताजनक है। बहरहाल ये सभी आंकड़े कम-ज्यादा हो सकते हैं, क्योंकि आदिवासियों पर फोकस बढ़ा है। ताजा जनगणना के आंकड़े जब सामने आएंगे या मोदी सरकार खुलासा करेगी कि आदिवासियों के लिए उसने क्या क्या किया है, क्या परियोजनाएं बनाई जा रही हैं, तभी आदिवासियों के हालात और भी स्पष्ट -होंगे। द्रौपदी मुर्मू जब पहली बार विधायक बनी थीं और ओडिशा की बीजद भाजपा सरकार में मंत्री थीं, तब उनके प्रयासों से ही उनके गांव में बिजली पहुंची थी। वहां एक नदी थी, जो बरसात के दिनों में परेशान करती थी, उस पर मुर्मू ने ही पुल बनवाया था। बहरहाल मुर्मू का राष्ट्रपति बनना आदिवासियों के यथार्थ तक ही सीमित नहीं है। उसके सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आयाम भी हैं। आदिवासी कभी भी भाजपा के वोटर नहीं रहे थे कांग्रेस का ही परंपरागत वोट बैंक थे, लेकिन अब बदलाव हो रहा है। आदिवासियों का 5-6 फीसदी तक ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में होगा। यह गुजरात, हिमाचल और उसके बाद के चुनावों से साफ हो जायेगा। भाजपा को तीन बार महामहिम बनाने का मौका मिला है। उसने अल्पसंख्यक, दलित के बाद आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनवाया है। इससे भाजपा के बुनियादी जनाधार में विस्तार दिख रहा है और आगे भी होगा, क्योंकि आदिवासियों का भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी से जुड़ाव स्वाभाविक है।

> आदिवासी कभी भी भाजपा के वोटर नहीं रहे थे कांग्रेस का ही परंपरागत वोट बैंक थे, लेकिन अब बदलाव हो रहा है। आदिवासियों का 5-6 फीसदी तक ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में होगा। यह गुजरात, हिमाचल और उसके बाद के चुनावों से साफ हो जायेगा। भाजपा को तीन बार महामहिम बनाने का मौका मिला है। उसने अल्पसंख्यक, दलित के बाद आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनवाया है। इससे भाजपा के बुनियादी जनाधार में विस्तार दिख रहा है और आगे भी होगा, क्योंकि आदिवासियों का भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी से जुड़ाव स्वाभाविक है।

श्वेत पत्र जारी हो

केंद्र पूरी वित्तीय और राजकोषीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करे, तो समाधान की संभावना बेहतर होगी। वरना, बात केंद्र बनाम राज्य के विवाद में उलझ कर रह जाएगी।

बिजली वितरण और उत्पादन कंपनियों के राज्यों पर बढ़ते बकाये का मुद्दा अब खुद प्रधानमंत्री ने उठाया है। नरेंद्र मोदी ने राज्यों से जल्द से जल्द इस बकाये का भुगतान करने को कहा है। उनकी यह बात उचित है कि बकाये का भुगतान ना होने से कंपनियां उत्पादन बढ़ाने या वितरण के ढांचे में सुधार के लिए निवेश नहीं कर पातीं। नतीजा होता है कि वितरण में बिजली के नुकसान को रोकना संभव नहीं हुआ है। बताया जाता है कि भारत में कुल जितनी बिजली उत्पादित होती है, उसका लगभग 20 फीसदी हिस्सा वितरण के दौरान बर्बाद हो जाता है। जबकि विकसित देशों में यह औसत लगभग सात प्रतिशत है। इसलिए बिजली उत्पादन और वितरण कंपनियों का लगभग एक लाख 30 हजार करोड़ रुपये बकाया रहना सचमुच एक बड़ी समस्या है। इस समस्या का सीधा संबंध देश की वित्तीय स्थिति से जुड़ता है। इसलिए इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बहरहाल, ये सवाल अहम है कि राज्य सरकारें आखिर ये रकम क्यों नहीं चुका रही हैं। ऐसी खबरें आती रही हैं कि राज्यों की माली हालत खस्ता है। कोरोना महामारी के दौर में ये स्थिति और बिगड़ गई। जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के पास संसाधन जुटाने के स्रोत सीमित हो गए हैं, इसलिए राज्य सरकारें बकाये और कर्ज में डूबती जा रही हैं। स्पष्टत: यह एक राष्ट्रीय समस्या है। लेकिन समस्या सिर्फ यही नहीं है। बल्कि आरोप यह भी है कि खुद केंद्र अपने आज के खर्च को बॉन्ड से जुटा कर देश के भविष्य पर बोझ बढ़ा रहा है। मसलन, अब डूबे कर्ज की समस्या से जूझ रहे बैंकों की रिफाइनेंशिंग (धन देने) का यही रास्ता अख्तियार किया गया है। खुद केंद्र पर भी कर्ज बढ़ा है। सवाल है कि केंद्र और राज्यों का राजकोषीय संकट क्यों गहरा रहा है? इस बारे में अगर पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाए, तो समाधान की दिशा में बढ़ने की गुंजाइश बन सकती है। इसलिए अपेक्षा यह है कि चूंकि प्रधानमंत्री ने एक अहम मसला उठाया है, तो ऐसे तमाम मसलों पर पूरी बात हो।

> **इन दिनों गर्व करने के लिए हमारे पास बहुत कुछ है, पर सच्चाई यह भी है कि हम हिन्दुस्तानी अब तक तमाम आर्थिक और सामाजिक विरोधाभासों से मुक्त नहीं हो पाए हैं। आजादी की लड़ाई भारतवासियों ने मिलकर लड़ी थी, पर आज तरह-तरह के अलगावों के स्वर सुनाई पड़ते हैं। मतलब साफहै, 'स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव' अगर हमें गौरवान्वित करता है, तो नई उपजी चुनौतियों से पार पाने की प्रेरणा भी देता है।**

शशि शेखर

करो या मरो सिर्फ नारा नहीं था

कल यानी 8 अगस्त को 'भारत छोड़ो आंदोलन' की 80वीं वर्षगांठ है। उस दिन एक ऐसी परिवर्तनकारी शुरुआत हुई, जिसे तत्कालीन हुक्मरानों ने शुरुआत में 'कुचल दिया गया' मान लिया था। वे इतिहास का एक साधारण सबक बिसरा बैठे थे। बेहद साधारण दिखने वाली कुछ घटनाएं कभी-कभी बड़े बदलावों को जन्म दे देती हैं। उन बगावती दिनों को याद कर आज हम अपने महान पुरखों को श्रद्धांजलि दे सकते हैं।

इसी दिन बंबई (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान (अब अगस्त क्रांति मैदान) में आयोजित महासभा को संबोधित करते हुए मोहनदास करमचंद गांधी ने कहा था- 'मैं आप सबको एक छोटा-सा मंत्र देता हूं। आप इसे अपने हृदय पर अंकित कर सकते हैं और अपनी हरेक सांस से इसे अभिव्यक्ति दे सकते हैं। यह मंत्र है- 'करो या मरो'! या तो हमें आजाद भारत मिलेगा या हम इसे पाने के लिए मिट जाएंगे। हम लगातार अपनी गुलामी देखते रहने के लिए जिंदा नहीं रहेंगे।'

'करो या मरो' वे जादुई शब्द थे, जिनका आने वाले दिनों में बड़ा असर पड़ना था।

हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि यह आंदोलन परवान नहीं चढ़ सका था। इसकी वजह यह है कि 9 अगस्त को महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, अबुल कलाम आजाद सहित कांग्रेस कार्यसमिति के तमाम सदस्यों को 'राजद्रोह' के आरोप में गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाल दिया गया था। अगले कुछ दिन दमन और जरूरत से ज्यादा शासकीय प्रतिहिंसा के थे। हकबकाए अंग्रेज अफसरों ने एक लाख से अधिक लोगों को बंदी बना लिया था। इन उपनिवेशवादियों को लगा था कि हिन्दुस्तानी न तो कुछ 'कर' सके और न ही 'मर' सके। इसकी एक वजह यह भी थी कि हिंदू महासभा, मुस्लिम लीग और राजे-रजवाड़े उनके साथ खड़े थे। कांग्रेस के भी कुछ नेताओं पर शक था कि उन्होंने गद्दारी की और बड़े नेताओं के छिपने की जगह गोरे अधिकारियों को बता दी। सूरमाओं के इस देश में जयचंदों और मीर जाफरों की भी एक शर्मनाक परंपरा है।

उस समय भारत में छह सौ से अधिक रियासतें हुआ करती थीं। यह वह दौर था, जब हमारे अधिसंख्य स्कूलों में 'ग्रेट ब्रिटेन' का राष्ट्रगान गॉड सेव द किंग गाया जाता था। ऐसे लोग ब्रिटिश सत्ता को अपना संरक्षक मानते थे। ताबड़तोड़ गिरफ्तारियों से उन्हें लगा कि आंदोलन असफल हो गया है, वे गलत थे। इस आंदोलन ने अहिंसक तरीके से राष्ट्रीय रूप ले लिया था। हिंसा न होने की वजह से अधिक हो-हल्ला नहीं हुआ और 'राजभक्तों' को गलतफहमी हो गई कि यह मौन, विराम का प्रतीक है। वे भूल गए कि थोपी गई संप्रभुता के बावजूद सदियों पुरानी भारतीय राष्ट्र की अस्मिता धूमिल नहीं हो सकी थी। 'भारत छोड़ो आंदोलन' ने इस पहचान को और बल दिया था। भारत के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम की सफलता के लिए इससे ज्यादा कुछ और जरूरी था?

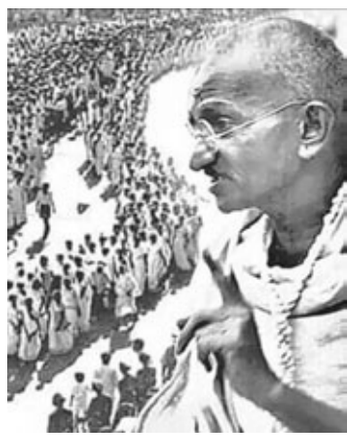

उधर, समूची धरती हलचल की शिकार थी। वह द्वितीय महायुद्ध का चरमोत्कर्ष काल था। 7 दिसंबर, 1941 को इस लड़ाई में अमेरिका की दखल ने साबित कर दिया था कि दुनिया अब दो भागों में बंट चुकी है और हार-जीत के लिए निर्दोषों के नरसंहार का यह सिलसिला फिलहाल खत्म नहीं होने वाला। अमेरिका महायुद्ध की शुरुआत से पहले 1929 में ही भयानक आर्थिक मंदी की चपेट में आ चुका था। उस समय के राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट को लगता था कि यह लड़ाई और इससे उपजा राष्ट्रीय जोश न केवल हमें मंदी से उबारेगा, बल्कि संसार की सबसे बड़ी महाशक्ति बनने का अवसर प्रदान करेगा। नतीजतन, कार बनाने वाली अमेरिकी कंपनियां हथियार बनाने लगी थीं। इस महायुद्ध से निपटने के लिए अमेरिका ने जो राह चुनी, उसने रूजवेल्ट को सही साबित किया। द्वितीय विश्व युद्ध के समापन से आज तक अमेरिका संसार की सबसे बड़ी ताकत बना हुआ है।

गांधी और उनके सहयोगी जानते थे कि इस अमेरिकी उभार से ब्रिटिश साम्राज्यवाद की चूलें जरूर हिलेंगी। तब तक दीख चला था कि ग्रेट ब्रिटेन पर दूसरी बड़ी लड़ाई महंगी पड़ रही है। उनकी अर्थव्यवस्था की चरमराहट जगजाहिर थी। लंदन तक में जरूरी चीजों की किल्लत महसूस की जाने लगी थी। दुकानों से जरूरी वस्तुएं नदारद थीं और लोग किफायत बरतने को मजबूर थे।

यहां बताना जरूरी है कि 1914 से 1918 के बीच लड़े गए प्रथम विश्व युद्ध में भारतीय सैनिकों ने गजब का योगदान किया था। अंग्रेजों ने उन्हें छलपूर्वक अग्रिम मोर्चों पर रखा था। अपने शौर्य और बलिदान से उन्होंने असंभव को भी संभव कर दिखाया था। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश हुकूमत ने 'अगस्त प्रस्ताव', 'क्रिप्स मिशन' आदि के जरिये मित्र-देशों और भारतीयों को भरमाए रखने की नीति अपना रखी थी। यही वजह है कि गांधी द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीय सैनिकों की सहभागिता से असहमत थे, फिर भी हिन्दुस्तानी सूरमा अग्रिम पंक्तियों में झोंक दिए गए थे, क्योंकि वे तकनीकी तौर पर 'ब्रिटिश रॉयल आर्मी' का हिस्सा थे। इस जंग में 87 हजार से अधिक भारतीय जवान शहीद हुए। प्रथम विश्व युद्ध पहले ही 74 हजार हिन्दुस्तानी जांबाजों को लील चुका था।

भारतीय मानस इससे मर्माहत था। हर कस्बे और गांव में इन शहादतों ने गम और गुस्से के बीज रोप रखे थे। ऊपर से कृषि प्रधान इस देश में अधिसंख्य लोगों के पास पेट भरने का अनाज तक न था। जमींदारों के कारिंदे कर वसूली के लिए मध्ययुगीन तरीके आजमाते थे। जो भी उन्हें देखता, उसके रोंगटे खड़े हो जाते। क्या आपको नहीं लगता कि 'करो या मरो' का नारा देने का यह सही समय था? मुझे कहने में कोई संकोच नहीं कि अगले पांच वर्षों की तमाम घटनाओं की नींव इस आंदोलन ने रखी। आगे चलकर हम भारतीय अहिंसक और हिंसक, दोनों तरीकों से अपनी अनूठी लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने में सफल रहे।

अब मौजूदा वक्त पर लौटते हैं। आजादी के इन 75 वर्षों में हमने शानदार तरक्की की। चार दशक पहले तक हमारे पास पेट भरने के लिए भोजन तक न था। आज जब रूस और यूक्रेन युद्ध की वजह से संसार भर में खाद्यान्न का भयावह संकट पैदा हो गया है, तब समूची दुनिया भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। अगर हमारे पास अन्न के भरे हुए भंडार हैं, तो यह भी सच है कि लगभग 19 करोड़ लोग प्रतिदिन भरपेट भोजन से वंचित हैं। इन दिनों गर्व करने के लिए हमारे पास बहुत कुछ है, पर सच्चाई यह भी है कि हम हिन्दुस्तानी अब तक तमाम आर्थिक और सामाजिक विरोधाभासों से मुक्त नहीं हो पाए हैं। आजादी की लड़ाई भारतवासियों ने मिलकर लड़ी थी, पर आज तरह-तरह के अलगावों के स्वर सुनाई पड़ते हैं। मतलब साफ है, 'स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव' अगर हमें गौरवान्वित करता है, तो नई उपजी चुनौतियों से पार पाने की प्रेरणा भी देता है।

कमल कुंभार, उद्यमी, समाजसेवी

बतौर नागरिक देशसेवा की शानदार मिसाल

हाशिये के लोग जब-जब रायसीना की पहाड़ी पर खड़े राष्ट्रपति भवन की सीढ़ियां चढ़ते हैं, तब-तब हमारे गणतंत्र की आभा कुछ और दीप्त हो उठती है। यह चढ़ना सिर्फ सत्ता में ऊंचे ओहदे पर पहुंचने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने जीवट से देश-समाज में ऊंचा मुकाम अर्जित करने से भी जुड़ा है। ऐसा ही एक सुअवसर इस साल मार्च में आया, जब कमल कुंभार को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने नारी शक्ति सम्मान से नवाजा। आजादी के 75वें वर्ष में कमल की कहानी बताती है कि हमने 'गण' को ताकत देने की कितनी लंबी दूरी तय कर ली है। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में एक जिला है उस्मानाबाद। आज से 42 साल पहले इसी जनपद के हिंगलवाड़ी तालुके में एक दिहाड़ी मजदूर के घर कमल कुंभार पैदा हुईं। यह वह इलाका है, जहां से सूखे और किसानों की खुदकुशी की तफ्सीलें अक्सर हमारा दिल दुखाने आ जाती हैं। ऐसे में, एक दिहाड़ी मजदूर की जिंदगी कैसी गुजरती होगी, आप अनुमान लगा सकते हैं। सिर्फ अपने घर में ही नहीं, कमल के आस-पड़ोस के घरों में भी मुफ्लिसी कुछ यूं पैबस्त थी कि दिन में तीन वक्त जो परिवार पेट भर ले, उसे 'निहाल' माना-समझा जाता। ऐसे में, कोई मां-बाप स्कूल और पढ़ाई-लिखाई के बारे में क्या सोचता?

गरीब घरों की बेटियों के लिए अब जितनी सरकारी सुविधाएं और योजनाएं हैं, उस दौर में कोई सोच भी नहीं सकता था। ऐसे में, निर्धन मां-बाप ईश्वर से बस एक ही प्रार्थना करते कि किसी कमाऊ लड़के से उनकी बेटी का लगन हो जाए, ताकि वह दो वक्त भरपेट खाना खा सके। मगर कमल के माता-पिता की तमाम प्रार्थनाएं अनसुनी रह गईं। किशोर बेटी नाकाम शादी की तोहमत लिए घर लौट आई थी। इसमें उसका कोई कुसूर न था, मगर समाज जब जज की भूमिका में आता है, तब वह बड़ा निर्मम हो जाता है। ताने और उलाहने कमल के पहले से आहत मन को छलनी करते रहे। उनके पास अपने पैरों पर खड़े होने के सिवा और कोई चारा न था। पर कैसे? उनके पास तो कोई डिग्री भी न थी।

लगातार पड़ते सूखे ने किसानों की हालत पस्त कर रखी थी, ऐसे में मजदूरी की संभावनाएं भी खत्म-सी हो गई थीं। आलम यह था कि दैनिक मजदूरों के यहां फाके पड़ने लगे थे। तब महज 500 रुपये की लागत से कमल ने चूड़ियां बेचने का काम शुरू किया। जाहिर है, इस कारोबार में उनका साबका सिर्फ

औरतों से पड़ता था और इस कारण उन्हें गहराई से यह समझने का मौका मिला कि औरतें आर्थिक रूप से कितनी पराश्रित हैं। किसी-किसी महिला की दरिद्रता देखकर वह तड़प उठती थीं कि कैसे उसकी मदद की जाए? इसी दौरान उनके भीतर इन सबके लिए कुछ करने का जज्बा उमड़ा।

कमल के पास न कोई सर्टिफिकेट था और न ही तजुर्बा, मगर हालात से वह ऐसे सबक सीखती गईं, जो कोई विश्वविद्यालय उन्हें क्या सिखा पाता! चूड़ियां बेचकर जो कुछ बचत की थी, उसमें कुछ और उधार जोड़कर साल 1998 में उन्होंने 2,000 रुपये से 'कमल पॉल्ट्री ऐंड एकता प्रोड्यूसर कंपनी' की शुरुआत की। धीरे-धीरे इससे कई महिलाओं को जोड़ा। इसके अगले ही साल उन्होंने 'संत गोरोबा काका सखी स्वयं सहायता समूह' की शुरुआत की। कमल के ईमानदार नेतृत्व में महिलाओं ने जैसे समझ लिया था कि तकदीर को कोसने के बजाय उसे बदलने का उद्यम ही जीना है। कंपनी की पहले दिन की बचत महज 20 रुपये थी। लेकिन दिन-ब-दिन वह बढ़ती गई। अब उनका लक्ष्य आसपास के गांवों की महिलाओं को जोड़ने और इलाके के स्वयं सहायता समूहों का एक महासंघ बनाने का था, ताकि ज्यादा से ज्यादा ित्रयां व लोग आर्थिक उत्थान के प्रयासों से जुड़ सकें। यही नहीं, कमल ने एक आशा कार्यकर्ता के रूप में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया, ताकि वह गांव की गरीब महिलाओं और बच्चों में सेहत संबंधी जागरूकता पैदा कर सकें।

कमल अब तक अच्छी तरह जान चुकी थीं कि ग्रामीण विकास के लिए शुरू सरकारी कार्यक्रमों से ित्रयों को जोड़ा जाए, तो उनके जीवन-स्तर में ठोस सुधार होगा। उन्होंने कई औरतों को बिजली विभाग में अनुबंध के काम दिलवाए। उनके इलाके में जब अक्षय ऊर्जा से जुड़ी योजना आई, तो कमल ने ऊर्जा विशेषज्ञ के तौर पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। उनकी कर्मठता के प्रति लोगों के सम्मान का नतीजा था कि लगभग 3,000 घरों में सोलर लैंप लग गए। कमल के अनथक परिश्रम को देखते हुए उन्हें 'सुपर सखी' नियुक्त किया गया, बल्कि अपना अनुभव साझा करने के लिए वह इंडोनेशिया तक गईं।

साल 2012 से 2015 के बीच उस्मानाबाद जिले में भीषण सूखा पड़ा था। तब कमल ने ठेके पर जमीन लेकर बकरी पालन का काम शुरू किया। पॉल्ट्री फार्म से पहले ही उन्हें अच्छी आमदनी होने लगी थी। कमल की कामयाबी से प्रेरित होकर इलाके के कई लोगों ने यह काम शुरू किया। इस तरह, सिर्फ खेती-किसानी पर निर्भर ग्रामीण समाज आय के विविध स्रोतों की ओर मुड़ा। साल 2017 में यूएनडीपी, नीति आयोग ने कमल कुंभार के प्रेरणादायी कार्यों का संज्ञान लिया, तो फिक्की ने भी उन्हें सम्मानित किया। इलाके के लोगों की नजरों में ही नहीं, इंडियन बैंक की निगाह में भी वह एक रोल मॉडल हैं। कमल अपने संगठनों और कारोबारी संस्थाओं के जरिये लगभग 5,000 महिलाओं से जुड़ी हैं और उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने में मदद कर रही हैं।

देश का निर्माण या उसकी सेवा सिर्फ विधायी सदनों या किसी ऊंचे ओहदे पर पहुंचकर ही नहीं होती, एक कर्मठ नागरिक के तौर पर भी अपूर्व देशसेवा की जा सकती है। बस कमल कुंभार की तरह अपने हमवतनों के लिए कुछ करने का जज्बा हो और इसके लिए करुण, उदार हृदय चाहिए!

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

चंद्रशेखर, पूर्व प्रधानमंत्री

भले असफल हो जाएं हम, पर देश नहीं होगा

अध्यक्ष महोदय, हम 50 वर्ष पहले आजाद हुए थे। हमने आजादी के पहले ढाई सौ वर्ष बेबसी और गुलामी के देखे थे। हम गुलाम थे, पर भारत गरीब देश नहीं था। कल अटल जी ने यह बात कही थी कि दुनिया के धनी देशों में हमारी गणना थी, लेकिन हम गुलाम हो गए। जब ढाई सौ वर्षों के बाद आजादी मिली, तो दुनिया के गरीब देशों में हमारी गणना होने लगी। हमें इतिहास के कुछ-कुछ पन्ने देखने चाहिए, तो हमें पता चलेगा। हमारे देश की पुरानी परंपरा है, गौरवमय इतिहास है, उसमें मैं नहीं जाऊंगा, लेकिन यह कटु सत्य शायद हमारी नजर से ओझल हो रहा है।

...अध्यक्ष महोदय, क्षमा करें, अगर मैं एक कटु बात कहूं। आपने कहा कि हमें आजादी की दूसरी लड़ाई लड़नी है, तो हमें सुनकर झटका सा लगा। आपके द्वारा यह बात कहने से मुझे ऐसा लगा कि हम अपनी आजादी को भूल गए हैं। ...राष्ट्रों का निर्माण वोटों और गोलियों से नहीं होता, बल्कि उनका निर्माण लोगों की इच्छाशक्ति से होता है। ...जब कोई कहता है कि चारों ओर अंधेरा है, 50 वर्षों में कुछ भी नहीं हुआ, तो हमें लगता है कि वास्तविकता से हमारा कोई संबंध नहीं है। दुनिया के अनेक तीसरे विश्व के देश हमारे साथ आजाद हुए थे। एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका में और बाकी देशों ने जम्हूरियत का चिराग जलाया। सब चिराग बुझ गए। हिन्दुस्तान अकेला देश है, जहां लोकशाही का चिराग आज भी टिमटिमा रहा है। क्या हम उन मान्यताओं को भूल जाएंगे? इसी संसद में बैठकर उस समय के प्रधानमंत्री ने उस समय के संसद सदस्यों ने जम्हूरियत का चिराग जलाने का प्रयास किया था। इन संस्थाओं को एक महत्व और आदर दिया था। अटल जी 1957 में यहां आए। मैं 1962 में आया था। मुझे याद है, जब संसद में कोई सवाल उठता था, तो पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसे प्रधानमंत्री उठकर खड़े होकर कहते थे, हमसे भूल हुई, मैं सदन से क्षमा चाहता हूं।

...दुनिया बड़ी निर्दयी है। उस देश की कोई मदद नहीं करता, जो अपनी मदद खुद करने को तैयार नहीं होता। किनसे हम मदद की अपेक्षा कर रहे हैं? जो अपने हथियार बेचने के लिए गरीब देशों को आपस में लड़ाते हैं, खूरेजी कराते हैं, उनके जरिये हम इस देश का विकास करना चाहते हैं? मैंने अमेरिका के एक बड़े राजनेता से कहा था। उन्होंने पूछा कि आप हमारी नीतियों के खिलाफ क्यों हैं? मैंने कहा कि मैं जिंदगी में एक ही बार अमेरिका गया हूं। ...मैं दो दिन न्यूयॉर्क में रहा। हर चौराहे पर काले लोगों को भीख का कटोरा लिए हुए मैंने देखा है। तुम डेढ़ करोड़ लोगों को मर्यादा की जिंदगी नहीं दे सके, तो हमारे 40 करोड़ गरीबों को मर्यादा की जिंदगी कैसे दोगे? यह हमारी सरकार के लोग समझ सकते हैं। मैं राजनीतिज्ञ नहीं हूं, मैं अर्थशास्त्री भी नहीं हूं, मैं इंसान हूं और एक इंसान जो अनुभव से सीखता है, उसके कारण मैं इसका विरोधी हूं।

...धर्मनिरपेक्षता का नारा भी कुछ जरूरत से ज्यादा दिया जा रहा है। एक धर्म के बारे में इतनी चिंता और दूसरे धर्म के बारे में बिल्कुल चिंता नहीं? ...यह नहीं होगा कि कोई कट्टरवादिता हिंदू धर्म के नाम पर करता है, तो वह गलत है और अगर कोई मुसलमान धर्म के नाम पर कट्टरवादिता करता है, तो वह सही है। यह नहीं हो सकता। मैं जानता हूं कि अल्पमत की एक समस्या होती है, माइनोरिटीज की एक साइकोलॉजी होती है। उसको समझना चाहिए। सारी दुनिया में अल्पमत के लोग अपनी बात कड़वे ढंग से कहते हैं। उसके लिए हमारे मन में सहनशीलता होनी चाहिए और इसीलिए केवल हमारे देश में नहीं, दुनिया के लोगों ने कहा है कि अल्पमत के लोगों की बातों पर विचार करते समय हमें ममत्व के साथ, सहानुभूति के साथ, सहनशीलता के साथ विचार करना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, आज इस विकृति से इस समाज को, इस राष्ट्र को बचाने की जिम्मेदारी आपके ऊपर है, संसद सदस्यों के ऊपर है। अगर हम एक-दूसरे की आलोचना करते रहे, तो हम कहीं नहीं पहुंच पाएंगे।...हम हमेशा यह याद रखें कि हम इतिहास के आखिरी आदमी नहीं हैं, हम असफल हो जाएंगे, लेकिन देश असफल नहीं होगा। यह देश जिंदा रहेगा, इस देश को दुनिया की कोई शक्ति तबाह नहीं कर सकती। यह असीम शक्ति का देश हमारी जनता की अपार शक्ति को अगर हम जगा सकें, तो यह सदन अपने कर्तव्य का पालन करेगा।

(लोकसभा में दिए गए भाषण का अंश)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल 9770584111 8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने उपलब्धियों से प्रदेश में बनाई अपनी अलग छवि

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश के गृहमंत्री व दुर्ग ग्रामीण विधायक ताम्रध्वज साहू शनिवार को 73 वर्ष की आयु पूरी कर 74 वर्ष में प्रवेश कर रहे है। उनके जन्मदिन को लेकर उनके कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह नजर आया। आयोजन को भव्य स्वरूप देने में प्रत्येक समर्थक जुटे रहे। छत्तीसगढ़ सरकार के गृह, पर्यटन, लोकनिर्माण, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग मंत्री ताम्रध्वज साहू ने अपने कार्यकाल में अपने सुमधुर व्यवहार के साथ ही विकास कार्यो एव प्रशासनिक क्षमता के कारण अच्छी पहचान बनाई है।

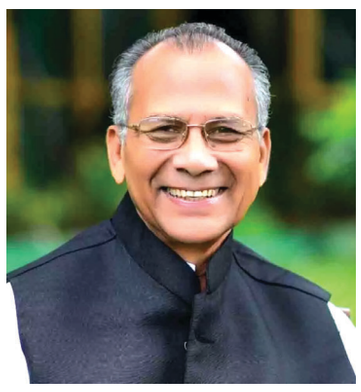

उनका यह कार्यकाल काफी उपलब्धियों से भरा हुआ है। जिसका लाभ प्रदेशवासियों को मिल रहा है। पर्यटन विभाग-पर्यटन नीति 2020 में पर्यटन की नई संभावनाओं एवं विकास की दृष्टि से नवीन पर्यटन नीति 2020 जारी की गई। रामवन गमन पर्यटन परिपथ के तहत 75 स्थानों का चयन किया गया है। प्रथम चरण में 9 स्थानों में विकास और सौंदर्यीकरण के लिये 149 करोड़ 48 लाख रूपए के कार्य संपादित किये जा चुके है। चंदखुरी एवं शिवरीनारायण लोकार्पित किया जा चुका है। प्रसाद योजना के अंतर्गत मां बम्लेश्वरी मंदिर का विकास एवं डोंगरगढ़ परियोजना स्वीकृत की गई है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत ट्रायबल टूरिज्म सर्किट परियोजना में 13 डेस्टिनेशन्स को इको पर्यटन एवं एथनिक पर्यटन की थीम पर विकसित किया गया है। वाटर टूरिज्म में हसदेव बांगो डेम के सतरंगा में वाटर स्पोर्टस पर आधारित पर्यटन केन्द्र का विकास किया गया है। दामाखेड़ा में पर्यटन विकास एवं सौंदर्यीकरण क योजना स्वीकृत। स्टेट हॉटल मैनेजमेंट संस्थान के तहत छात्रों को हास्पिटेलिटी क्षेत्र में शिक्षित करने एवं उनके लिये रोजगार के अवसर खोलने के लिये स्टेट हाटल मैनेजमेंट संस्थान प्रारंभ किया गया है। लोक निर्माण विभाग-मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना अंतर्गत अब तक 4132 मार्ग, लंबाई 735 किमी हेतु रू. 495 करोड़ के कार्य स्वीकृत किये गये, जिसमें से 2083 मार्ग पूर्ण एवं 647 मार्ग प्रगति पर है। बेरोजगार इंजीनियरों को प्रदेश में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु विभाग में 249 प्रोजेक्ट मैनेजर, 2330 डिग्री इंजीनियरों तथा 861 डिप्लोमा इंजीनियरों को नियोजित किया गया। ई श्रेणी पंजीयन के अंतर्गत 5890 बेरोजगार युवकों का पंजीयन किया जाकर युवाओं को 300 करोड़ रुपए के 2402 कार्य दिए गए। विभाग द्वारा वर्तमान में मांगो की कुल लंबाई 34067 किमी सड़क ,1430 वृहद एवं 8407 मध्यम पूल तथा 92 लाख वर्ग मीटर भवनों का नियमित संधारण किया गया है।

जवाहर सेतु योजना के अंतर्गत पहुंच विहीन गांवों को कनेक्टिलिटी सुनिश्चित करने के लिये 92 पुल निर्माण कार्यों के लिये 656 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई। एलडब्ल्यूई क्षेत्र के विकास हेतु 291 सड़क लंबाई 2479 किमी के उन्नयन एवं निर्माण कार्य तथा 25 पुलों के निर्माण हेतु कुल 316 कार्यों के लिये रू 1637 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई। गृह (पुलिस विभाग)- बस्तर रेंज के स्थानीय युवाओं के भर्ती हेतु बस्तर फाईटर्स अंतर्गत 2800 नवीन पदों की एवं सूबेदार उपनिरीक्षक संवर्ग के 975 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ एवं पहली बार तृतीय लिंग समुदाय के लोगों को पुलिस में भर्ती के अवसर दिये गये।

नक्सली घटनाओं में 40 प्रतिशत की आई कमी, पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर विगत तीन वर्षो में लगभग 1,199 माओवादियों द्वारा किया गया आत्मसमर्पण। अनियमित वित्तीय कंपनियों के विरूद्ध कार्यवाही कर कुल 17 हजार 385 निवेशकों को 11 करोड़ 82 हजार 179 रूपये लौटाये गये। जनसुविधा के लिये आधुनिक पुलिस थानों की स्थापना तथा बाल मित्र कक्ष, संवेदना कक्ष और महिला हेल्प डेस्क की स्थापना। पुलिस जवानों को साप्ताहिक अवकाश एवं 1 जुलाई से पुलिस पब्लिक स्कूल का संचालन प्रारंभ। रायपुर, बिलासपुर में दो विशेष जेल एवं जिला बेमेतरा में खुली जेल की स्वीकृति।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता: डॉजबाल में बस्तर के बालक-बालिकाओं ने लहराया परचम

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर के इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में डॉजबाल, योग और टेबल टेनिस के अंतिम परिणाम आ चुके हैं। फुटबाल प्रतियोगिता का परिणाम कल प्राप्त होगा।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में आयोजित डॉज बाल में बस्तर के बालक और बालिकाओं ने पचरम लहराया। बालक वर्ग में दुर्ग जोन ने दूसरा और बिलासपुर जोन ने तीसरा स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग में सरगुजा जोन ने दूसरा और बिलासपुर जोन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बालकों के 14 वर्ष आयु वर्ग की योग प्रतियोगिता में पहला स्थान रायपुर को, दूसरा स्थान दुर्ग को और तीसरा स्थान बिलासपुर को प्राप्त हुआ। इसी आयु वर्ग की बालिकाओं की प्रतियोगिता में पहला स्थान रायपुर, दूसरा स्थान दुर्ग और तीसरा स्थान बिलासपुर को प्राप्त हुआ। बालकों के 17 वर्ष आयु वर्ग की योग प्रतियोगिता में पहला स्थान रायपुर को, दूसरा स्थान दुर्ग को और तीसरा स्थान बिलासपुर को प्राप्त हुआ। इसी आयु वर्ग की बालिकाओं की प्रतियोगिता में पहला स्थान रायपुर, दूसरा स्थान दुर्ग और तीसरा स्थान बिलासपुर को प्राप्त हुआ।

बालकों के 14 वर्ष आयु वर्ग की टेबल टेनिस प्रतियोगिता में पहला स्थान रायपुर को, दूसरा स्थान दुर्ग को और तीसरा स्थान बिलासपुर को प्राप्त हुआ। इसी आयु वर्ग की बालिकाओं की प्रतियोगिता में पहला स्थान रायपुर, दूसरा स्थान दुर्ग और तीसरा स्थान बिलासपुर को प्राप्त हुआ। बालकों के 17 वर्ष आयु वर्ग की योग प्रतियोगिता में पहला स्थान रायपुर को, दूसरा स्थान दुर्ग को और तीसरा स्थान बिलासपुर को प्राप्त हुआ। इसी आयु वर्ग की बालिकाओं की प्रतियोगिता में पहला स्थान रायपुर, दूसरा स्थान दुर्ग और तीसरा स्थान बिलासपुर को प्राप्त हुआ। बालकों के 19 वर्ष आयु वर्ग की योग प्रतियोगिता में पहला स्थान रायपुर को, दूसरा स्थान बिलासपुर को और तीसरा स्थान दुर्ग को प्राप्त हुआ। इसी आयु वर्ग की बालिकाओं की प्रतियोगिता में पहला स्थान रायपुर, दूसरा स्थान दुर्ग और तीसरा स्थान बिलासपुर को प्राप्त हुआ। बालकों के 19 वर्ष आयु वर्ग की टेबल टेनिस प्रतियोगिता में पहला स्थान रायपुर को, दूसरा स्थान बिलासपुर को और तीसरा स्थान दुर्ग को प्राप्त हुआ। इसी आयु वर्ग की बालिकाओं की प्रतियोगिता में पहला स्थान बिलासपुर, दूसरा स्थान दुर्ग और तीसरा स्थान रायपुर को प्राप्त हुआ।

खास खबर

कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश कार्यकारी महामंत्री भरत जैन द. पू. मध्य रेल्वे में (डीआरयूसीसी) सदस्य मनोनीत

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्र सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश कार्यकारी महामंत्री भरत जैन को द. पू. मध्य रेल्वे में (डीआरयूसीसी) सदस्य मनोनीत किया गया है। कैट सी.जी चैप्टर के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने बताया की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति रेलवे द्वारा सेवित क्षेत्रों में स्थानीय उपयोगकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करती है और संबंधित मामलों पर विचार करती है, रायपुर मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति (डीआरयूसीसी) रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति का पुनर्गठन पुन: दो वर्ष के लिये किया जाना है जिसकी अवधि 01.01.2022 से 31.12.2023 तक होगी। द. पू. मध्य रेल्वे में (डीआरयूसीसी) रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति में कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश कार्यकारी महामंत्री भरत जैन (भरत एण्ड़ कम्पनी) अमीनपारा शीतला चौक, रायपुर (छ.ग.) मो. 90098-78787 को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है।

जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र भिलाई में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया

सप्ताह भर जागरूकता हेतु हुए विविध कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र में विश्व स्तनपान सप्ताह बड़े धूमधाम से मनाया गया। विदित हो कि स्तनपान को बढ़ावा देने और दुनिया भर के बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के उद्देश्य से 1 अगस्त से 7 अगस्त तक प्रतिवर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। यह 170 देशों द्वारा स्तनपान की रक्षा, प्रचार और समर्थन के लिए मनाया जाता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार स्तनपान कराने वाले बच्चे बौद्धिक रूप से मजबूत और स्वास्थ्य मानकों में स्वस्थ होते हैं और स्तनपान कराने से कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है जैसे दस्त, निमोनिया, अस्थमा, रक्तचाप, मधुमेह और स्तनपान रक्त कैंसर के खतरे से भी सुरक्षा प्रदान करता है।

प्रत्येक वर्ष स्तनपान सप्ताह एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है शिक्षा व सहयोग से स्तनपान हेतु पहल। उल्लेखनीय है कि स्तनपान सप्ताह पूरी दुनिया में मनाया जाता है, इसलिए शिक्षा के महत्व और स्तनपान के समर्थन के बारे में जागरूकता फैलाने की सामाजिक आवश्यकता है। जिसके लिए बीएसपी का जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र तथा भिलाई प्रबंधन हमेशा समर्पित और प्रतिबद्ध रहा है।

इस तारतम्य में सीएमओ प्रभारी डॉ एम रवींद्रनाथ एवं सीएमओ डॉ प्रमोद बिनायके के निर्देशानुसार बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ संबिता पंडा के मार्गदर्शन में सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ सुबोध साहा (अतिरिक्त सीएमओ और नवजात इकाई के प्रभारी) और डॉ नोहर सिंह ठाकुर (अतिरिक्त सीएमओ) और डॉ संजीवनी पटेल (डिप्टी सीएमओ), डॉ मीता सचदेव (डिप्टी सीएमओ) सहित बाल रोग विभाग के डॉक्टरों की टीम के सहयोग से किया गया। इस आयोजन में डॉ नूतन वर्मा (सहायक सीएमओ), डॉ कौशिक किशोर (मुख्य सलाहकार), डॉ वृंदा सखारे (वरिष्ठ सलाहकार), डॉ सीमा वर्मा (वरिष्ठ सलाहकार), डॉ माला चौधरी (सलाहकार), डॉ सुभस्मिता पटनायक (सलाहकार) डॉ रुचिका ताम्रकर (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी) और स्नातकोत्तर डीएनबी विभाग में पढ़ रहे सभी छात्रों, नर्सों और कर्मचारियों ने इसे सफल बनाने में निरन्तर सहयोग व योगदान प्रदान किया। स्तनपान सप्ताह के कार्यक्रम के पहले दिन 1 अगस्त को जवाहर लाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र के ओपीडी परिसर में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसी क्रम में दूसरे दिन, बाल रोग ओपीडी और प्रसूति एवं स्त्री रोग ओपीडी में वरिष्ठ डॉक्टरों द्वारा माताओं को स्तनपान की तकनीक और माताओं, शिशुओं, परिवारों और समाज को स्तनपान के लाभों के बारे में ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की गई। माताओं के प्रश्नों का विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया। तीसरे दिन का कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया, जिसमें जवाहरलाल नेहरू अस्पताल की नवजात इकाई को बेबी फ्रेंडली यूनिट बनाने की योजना का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। इसमें जेएलएनएच और आरसी भिलाई के सभी डॉक्टरों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

चौथे दिन का कार्यक्रम बाल रोग विभाग के विभिन्न वार्डों में विभागाध्यक्ष डॉ संबिता पंडा के नेतृत्व में षिषु रोग विभाग की टीम द्वारा आयोजित किया गया और उन्होंने बाल रोगियों की माताओं और रिश्तेदारों को नवजात शिशु की देखभाल, स्तनपान, माँ की देखभाल के बारे में सिखाने के साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं की भी जानकारी दी। कार्यक्रम के पांचवे दिन स्त्री रोग एवं प्रसूति विभाग के एच-1 एवं एच-2 वार्ड में माताओं को सुरक्षित मातृत्व का महत्व समझाया गया। नवजात षिषु विभाग के प्रभारी डॉ सुबोध साहा के नेतृत्व में नवजात इकाई के डॉक्टरों की एक टीम ने पांचवे दिन बच्चों की देखभाल, स्तनपान तकनीक का ज्ञान और नवजात शिशुओं की समस्याओं को हल करने की पद्धति और माताओं की जिज्ञासा पर चर्चा की । कार्यक्रम के छठे दिन स्नातकोत्तर डीएनबी छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और भिलाई के विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों के छात्रों के बीच एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने तिरंगा विक्रय स्टॉल का कलेक्टर ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। आजादी की 75वीं वर्षगांठ को सम्पूर्ण भारतवर्ष में अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। राज्य शासन के निर्देशानुसार ज़िले मे हर नागरिक के मन में राष्ट्र और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ाने के लिए 13 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिए कलेक्टर डॉ प्रियंका शुक्ला ने कलेक्ट्रेट परिसर में महिला समूह द्वारा लगाये गये तिरंगा झण्डा विक्रय स्टॉल का शुभारंभ किया। गढ़पिछवाड़ी के गायत्री समूह के दीदीयों द्वारा झण्डा सिलाई कर बिक्री के लिए स्टॉल लगाई गई।

इसी प्रकार जिले में झण्डा सिलाई कर विक्रय के लिए 28 कलस्टर बनाया गया है। जिले के 24 पुलिस थाना एवं चौकियों में झण्डा फहराया जायेगा, इसी प्रकार 09 हजार 600 महिला स्व-सहायता समूह, 02 हजार 606 शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों में, 02 हजार 141 आंगनबाड़ी केन्द्रों में, 350 कॉमन सर्विस सेंटर, 487 उचित मूल्य की दुकानों, 471 राजीव युवा मितान क्लब, 454 ग्राम पंचायत भवनों में, 395 गौठान समितियों में, 600 वन विभाग, 286 प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 137 धान खरीदी केन्द्रों में 82 शासकीय अशासकीय बैंकों में, 70 सहकारी समितियां, 195 आश्रम छात्रावासों में, 13 शासकीय अशासकीय महाविद्यालयों में, 10 पॉलिटेक्नीक एवं आईटीआई संस्थाओं में और 100 समाजसेवी एवं रेडक्रास संस्थाओं एवं सभी प्रतिष्ठानों द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

दो दिनों में 659 बच्चों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

बीमार एवं विकृति वाले बच्चों के इलाज के लिए मातृ एवं शिशु रोग विभाग ने किया नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत चिरायु टीम द्वारा विभिन्न श्रेणी के चिन्हांकित बच्चों जैसे-जन्मजात विकृति, कटेफटे होंठ, तालू छेद, क्लबफु ड, जन्मजात मोतियाबिन्द आदि गंभीर बीमारी से ग्रसित बच्चों एवं मानसिक दिव्यांग व अन्य सभी दिव्यांग बच्चों सहित शिक्षा विभाग द्वारा चिन्हांकित बीमार बच्चों का रायपुर से पहुंचे विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा एवं मेडिकल कॉलेज कांकेर के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। इसके लिए मातृ एवं शिशु रोग विभाग अलबेलापारा कांकेर में दो दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 659 बच्चो का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण किया जाकर उपचार किया गया।

आज शनिवार को आयोजित स्वास्थ्य शिविर में अंतागढ़, दुर्गूकोंदल एवं कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के अलावा कांकेर, चारामा एवं नरहरपुर विकासखण्ड से पहुंचे 189 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया, जिनमें से 15 बच्चो को सर्जरी के लिए चिन्हांकित किया गया है। शिविर में सीएचडी के 01, क्लब पैर के 12, कट होट और तालू के 01, दृष्टि दोष के 24, न्यूरो मोटर हानि के 01, जन्मजात हिप विकृति के 02, भाषण एवं भाषा में देरी के 14, सीखने में देरी के 01, संज्ञानात्मक विलंब के 02, आटिज्म के 01, श्रवण दोष के 05, जन्मजात मोतियाबिन्द के 01, जन्मजात बहरापन के 08, ऑर्थो संबंधित के 48, त्वचा संबंधित के 07, गंभीर कुपोषित के 08, नाक-कान-गला के 17 और अन्य बीमारियों से संबंधित 36 बच्चों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार मेगा स्वास्थ्य शिविर में किया गया। आज आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर में समाज कल्याण विभाग द्वारा 41 दिव्यांग बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा 192 दिव्यांग बच्चों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किया गया।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

एक छात्र का अधिक कालेजों में नाम, सिस्टम अपडेट नहीं, इसलिए सीटें खाली

रायपुर (ए)। कॉलेजों में शुक्रवार को प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस बीच कालेजों में 15 प्रतिशत ही सीटें भर पाई हैं यानी पहले चरण की प्रक्रिया में 85 प्रतिशत सीटें खाली रह गईं। कालेज प्रबंधनों ने बताया कि प्रवेश के लिए छात्रों द्वारा आनलाइन पंजीयन कराने के दौरान एक से अधिक कालेज भरने का विकल्प रहता है। मेरिट सूची जारी होने के दौरान अधिक अंक वाले छात्रों का नाम एक से अधिक कालेजों में आ गया। ऐसे छात्र अपने पसंदीदा कालेजों में प्रवेश तो ले लिए, अब अन्य जगह नाम अपडेट करने का सिस्टम नहीं होने की वजह से सीटें खाली रह गईं। यह समस्या पिछले साल भी आई थी। सिस्टम की वजह से ऐसे छात्र जो प्रवेश लेना चाहते हैं और मेरिट सूची में नाम नहीं आया, उन्हें दूसरे चरण की प्रक्रिया का इंतजार करना पड़ रहा है।

दूसरे चरण की प्रक्रिया आज से

पं. रविशंकर शुक्ल के अंतर्गत कालेजों में दूसरे चरण में प्रवेश के लिए छह व सात अगस्त को आनलाइन पंजीयन प्रक्रिया होगी। आठ अगस्त को महाविद्यालयों को सूची प्रदान करना होगा। नौ अगस्त को मेरिट सूची जारी होगी। इसके आधार पर सीटों पर फिर से प्रवेश शुरू होगा। छात्र नौ से 16 अगस्त तक प्रवेश ले सकेंगे। इसके बाद बची हुई सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया खोल दिया जाएगा। कालेज प्रबंधन अपने अनुसार प्रवेश ले सकेंगे।

बीएड और डीएलएड में प्रवेश को पंजीयन सात तक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद ने बीएड व डीएलएड पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। बीएड में प्रवेश के लिए पंजीयन व आनलाइन विकल्प फॉर्म जमा करने की तिथि 29 जुलाई से सात अगस्त तक है। प्रथम चरण की सूची 18 अगस्त को जारी होगी। वहीं प्रवेश की प्रक्रिया 25 अगस्त तक चलेगी। रिक्त सीटों की जानकारी 26 अगस्त को दी जाएगी। द्वितीय सूची पांच सितंबर को जारी करेंगे। इसके आधार पर प्रवेश नौ सितंबर तक होंगे।

छत्तीसगढ़ में अब तक 600.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 600.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से छः अगस्त तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1496.1 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 267.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 362.1 मिमी, बलरामपुर में 288.3 मिमी, जशपुर में 345.8 मिमी, कोरिया में 378.4 मिमी, रायपुर में 393.0 मिमी, बलौदाबाजार में 556.1 मिमी, गरियाबंद में 658.8 मिमी, महासमुंद में 574.0 मिमी, धमतरी में 689.6 मिमी, बिलासपुर में 631.5 मिमी, मुंगेली में 628.9 मिमी, रायगढ़ में 549.4 मिमी, जांजगीर-चांपा में 701.0 मिमी, कोरबा में 468.0 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 560.0 मिमी, दुर्ग में 531.7 मिमी, कबीरधाम में 563.4 मिमी, राजनांदगांव में 622.3 मिमी, बालोद में 710.8 मिमी, बेमेतरा में 391.8 मिमी, बस्तर में 835.7 मिमी, कोण्डागांव में 695.5 मिमी, कांकेर में 803.6 मिमी, नारायणपुर में 668.2 मिमी, दंतेवाड़ा में 867.4 मिमी और सुकमा में 582.8 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

लगभग 300 परिवारों को मिला उनके आशियाना का अधिकार

वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने अब तक 861 परिवारों को बांटे आवासीय पट्टा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर ने रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल कार्यक्रम के तहत कवर्धा के 295 परिवारों को आवासीय पट्टा और 20 परिवारो को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मकाने बनाने की स्वीकृति पत्र का वितरण किया। वन मंत्री अकबर के जुड़े हुए वर्चुअल प्रोग्राम में कलेक्टर जनमेजय महोबे, नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अपने हाथों से आवासीय पट्टा एवं प्रधानमंत्री स्वीकृति पत्रक का वितरण कर हितग्राहियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार द्वारा प्रदेश में लोगों के उत्थान के लिए अनेक कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इसका लोगों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए निरंतर प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने इस दौरान जनहित में चलाए जा रहे सभी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा सुविधा उपलब्ध कराए जाने पर विशेष जोर दिया। उन्होनें अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ उठाने में कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न हो, इसका विशेष ध्यान रखें।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा ने बताया कि आपके माध्यम से शहर के अब तक पात्र 861 परिवारों को उनके हक-अधिकार प्रदान करते हुए राजीव गांधी आश्रय योजनांतर्गत आवसीय पट्टा प्रदान किये है उन्होनें संबोधित करते हुए कहा कि पट्टा सर्वे कार्य पूर्ण हो चुका है, सभी पात्र परिवारों को शीघ्रता से पट्टा भी प्रदान किया जा रहा है।

उन्होनें बताया कि कवर्धा नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत नगरीय क्षेत्र के लगभग शत-प्रतिशत परिवारों का राशन कार्ड बनाया जा चुका है, जिसे प्रतिमाह समय पर राशन प्राप्त हो रहा है। वन मंत्री तथा विधायक कवर्धा अकबर के मार्गदर्शन में कवर्धा नगर पालिका क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए तेजी से कार्य कराए जा रहे हैं। इस दौरान आवासीय पट्टा को हाथ में पाकर हितग्राहियों के चेहरे मुस्कान आ गई तथा सभी हितग्राहियों ने पट्टा प्रदान करने के लिए वन मंत्री अकबर तथा शासन के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सर्वश्री जमील खान, नरेन्द्र देवांगन, चुनवा खान, सुशीला धुर्वे, मोहित माहेश्वरी, उत्तम गोप, संजय लांझी, संतोष यादव, सुनील साहू, एल्डरमेन दलजीत पाहुजा, हिरेश चतुर्वेदी, राजेश गुप्ता, बलदाउ चंद्रवंशी, देवा साहू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरेश कुमार वर्मा सहित अधिकारी - कर्मचारीगण, जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वन मंत्री अकबर ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए किया प्रोत्साहित

खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की एक लाख रूपए की राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री तथा विधायक कवर्धा मोहम्मद अकबर ने रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में वर्चुअल कार्यक्रम में 20 खिलाड़ियों को एक लाख रूपए की राशि प्रदान कर प्रोत्साहित किया। उन्होंने इन खिलाड़ियों में से प्रत्येक को स्वेच्छानुदान मद से 5-5 हजार रूपए की राशि प्रदान की। वन मंत्री अकबर ने इस अवसर पर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रदेश में खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव पहल की जा रही है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में खेल अधोसंरचना के विकास और मजबूती के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कड़ी मेहनत और सतत् अभ्यास करने हेतु प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर वर्चुअल कार्यक्रम में कलेक्टर जनमेजय महोबे, नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष सर्वश्री जमील खान, नरेन्द्र देवांगन, चुनवा खान, सुशीला धुर्वे, मोहित माहेश्वरी, उत्तम गोप, संजय लांझी, संतोष यादव, सुनील साहू, एल्डरमेन दलजीत पाहुजा, हिरेश चतुर्वेदी, राजेश गुप्ता, बलदाउ चंद्रवंशी, देवा साहू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरेश कुमार वर्मा सहित अधिकारी-कर्मचारीगण, जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में जैव विविधता संरक्षण और सामुदायिक विकास पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

रायपुर। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान द्वारा मैदानी कर्मचारियों के क्षमता विकास के लिए जैव-विविधता संरक्षण और सामुदायिक विकास पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 4 से 6 अगस्त तक यह कार्यशाला वन विद्यालय, जगदलपुर में तथा फील्ड विज़िट में समापन हुआ। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में वन्य जीवन के मुख्य वन संरक्षक अभय श्रीवास्तव उपस्थित थे। विभिन्न विषयों पर प्रकाश डालने राजीव रंजन, पंचकूला, हरियाणा से, सुश्री सपना गुप्ता, जियोलॉजी डिपार्टमेंट, शासकीय काकतीय विद्यालय, जगदलपुर से, डॉ विद्याधर अटकोरे, सेकॉन, तमिल नाडु से, सौम्या रंजन, समर्थ चैरिटेबल ट्रस्ट, छत्तीसगढ़ से, अंज़ार नबी, जगदलपुर से, चक्र प्रणव, ईस्ट कोस्ट कंज़र्वेशन ट्रस्ट, विशाखापट्टनम से, डॉ प्रत्युष मोहापात्रा, जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया से उपस्थित थे।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक धम्मशील गणवीर ने अतिथियों का स्वागत कर, प्रकृति पूजन के रूप में आंवला पौधे के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला की शुरूआत की गई।

प्रकृति की रक्षा में नागरिक दायित्व या सामुदायिक हिस्सेदारी के महत्व के बारे में राजीव रंजन ने साहित्यिक रूप से बताया। वहीं सुश्री सपना गुप्ता द्वारा कांगेर घाटी के विभिन्न संरचनाओं जैसे गुफा, जलप्रपात एवं जियो-टूरिज्म के बारे में बताया गया। डॉ विद्याधर ने मीठे पानी के जैव-विविधता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा किया और कांगेर घाटी तथा सम्पूर्ण पर्यावरण के संरक्षण के लिए व्यवहारिक बदलाव पर भी प्रकाश डाला। चक्र प्रणव ने छोटी जंगली बिल्लियों के रहवास व उन्हें पहचानने के तरीकों को समझाया।

वहीं सौम्या रंजन द्वारा स्थानीय समुदायों के पर्यावरण संरक्षण में योगदान के बारे में बताया गया। इस अवसर पर अंज़ार नबी द्वारा फोटोग्राफी के माध्यम से प्राकृतिक सुंदरता को दिखाने पर चर्चा की गई। डॉ प्रत्युष द्वारा सांपों के महत्व के बारे में भी बताया गया। इस कार्यशाला में फील्ड विजिट में भी राष्ट्रीय उद्यान के फील्ड स्टाफ, मैना मित्र, मगरमच्छ संरक्षक, कम्युनिटी इंटर्न, ईको-विकास समितियों के सदस्यों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

स्वाइन फ्लू के पांच नए केस 26 मामले एक माह के भीतर

रायपुर (ए)। राज्य में शनिवार को स्वाइन फ्लू के पांच नए केस सामने आए हैं। एक माह के भीतर ही 26 मामले दर्ज हो चुके हैं। इसमें सर्वाधिक मामले रायपुर में नौ हैं। स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन फ्लू को लेकर अलर्ट जारी किया है।

चिकित्सकों ने बताया कि स्वाइन फ्लू के लक्षण भी कोरोना के लक्षणों से मिलते-जुलते हैं। इसमें खांसी, बलगम आना, गले में दर्द या खराश, जुकाम और कुछ लोगों को फेफड़ों में इंफेक्शन होने पर सांस चढ़ने लग जाती है। जिन व्यक्तियों को इस तरह के लक्षण महसूस हो रहे हैं, उन्हें तुरंत स्वाइन फ्लू के साथ कोरोना की भी जांच करानी चाहिए। स्वाइन फ्लू बीमारी एच-1 एन-1 इन्फ्लुएंजा 'ए के कारण होता है। यह वायरस वायु कण व संक्रमित वस्तुओं को छूने से फैलता है। इसकी संक्रमण अवधि सात दिनों की होती है।

बरसात के मौसम में बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों में संक्रमण तीव्र गति से प्रभावी होने का अधिक खतरा रहता है। विशेष रूप से हृदय रोग, श्वसन संबंधी रोग, लीवर रोग, किडनी रोग, डायबिटीज, एचआइवी और कैंसर से पीड़ित या ऐसे मरीज जो कि स्टेराइड की दवा का सेवन लंबे समय से कर रहे हों, उन पर अधिक खतरा बना रहता है।

चिकित्सकों ने बताया कि संक्रमित व्यक्ति को तेज बुखार के साथ खांसी, नाक बहना, गले में खराश, सिरदर्द, बदन दर्द, थकावट, उल्टी-दस्त, छाती में दर्द, रक्तचाप में गिरावट, खून के साथ बलगम आना व नाखूनों का नीला पड़ना स्वाइन फ्लू के लक्षण हो सकते हैं।

बचाव के लिए भीड़-भाड़ वाली जगहों में नहीं जाने, संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क से दूर रहने तथा नियमित रूप से हाथ साबुन से धोने की सलाह दी है। साथ ही सर्दी-खांसी एवं जुकाम वाले व्यक्तियों के द्वारा उपयोग में लाये गये रूमाल और कपड़ों का उपयोग नहीं करना चाहिए।

साध्वी स्नेहयशा का प्रवचन में संदेश, आनंद से रहना सीख जाओ, सारे दुख-दर्द खत्म हो जाएंगे

रायपुर (ए)। आनंद, मजा और खुशी तीनों का अनुभव अलग-अलग है। पहला मजा है, यह बाहरी होता है। दूसरा होता है सुख, यह भौतिक वस्तुओं से प्राप्त होता है। वहीं, तीसरा आनंद है, यह आत्मा से आता है। यह हमें बाहर नहीं मिल सकता है। एक बार आदमी अपने अंदर ही डुबकी लगाए तो उसे वहां आनंद मिल जाएगा। उक्त बातें न्यू राजेंद्र नगर स्थित महावीर जिनालय में साध्वी स्नेहयशा ने कही।

साध्वी ने कहा कि भक्तिभाव में लीन होकर जब कोई व्यक्ति थिरकने लगता है, तो यह समझ लीजिए कि वह आनंदित है। वह आनंद के साथ नाचने लगे तो उसे रोकना भी मुश्किल हो जाता है। उसके हाथ पैर थक भी जाए तो भी उसे आनंदित रहते हुए किसी दर्द का एहसास नहीं होता। हमारा जीवन गुलाब के फूल की तरह होता है। जो व्यक्ति गुलाब लेने जाता है उसे कांटों से भी जूझना पड़ता है। इतने कांटों के बीच रहकर भी गुलाब मुस्कुराते रहता है। यह भी एक कला है। गुलाब, जरा भी झुके तो उसकी मुश्किलें बढ़ जाती है। परिस्थिति कितनी भी मुश्किल हो, लेकिन गुलाब हमेशा मुस्कुराते रहता है। लोग जबरदस्ती तनाव लेते हैं। तनाव के दौरान भी आप अपने अंदर झांकें तो आपको आनंद का एहसास होगा।

नाम आपका नहीं, शरीर का

साध्वी ने कहा कि कोई कुछ बोले तो यह सोचना कि वह आपके शरीर को बोल रहा है। कोई अगर आपको नाम से बोले तो भी आप ही सोचना कि वह आपके शरीर को बोल रहा है। क्योंकि आत्मा का कोई नाम नहीं होता, कोई पहचान नहीं होती। पहचान शरीर की होती है। जान रहते तक ही शरीर का नाम रहता है। जब भी सम्मान मिले या अपमान भी हो तो आप सब को अपने अंदर पचा लो। कभी माता-पिता आपको डांट दें तो मुस्कुरा कर उनकी बातों को टाल दीजिए।

रायपुर में आचार्य विशुद्ध सागर ने प्रवचन में कहा: दूसरों के लिए जीना सीखो

रायपुर (ए)। धर्म का मूल दया है, हिंसा करना धर्म नहीं है। अपने लिए जीना सभी जानते हैं, जो जगत के जीवों के कल्याण के लिए जीते हैं, वे महापुरुष होते हैं। जैसा अपने लिए चाहते हो दूसरों के लिए भी चाहना सीखो। यह संदेश सन्मति नगर फाफाडीह दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य विशुद्ध सागर ने दिया। आचार्य ने कहा कि खून बहाने से राज्य नहीं चलता, वात्सल्य बहाने से राज्य चलता है। भगवान श्रीराम वात्सल्य बहाकर चले गए और सबके दिल में बस गए। धर्म बचाना है तो संतान को सुरक्षित करो। अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दो। आपके बच्चे किसके साथ बैठ रहे और किस भावना से बैठ रहे, यह ध्यान दो। अपनी बुद्धि को विशाल करो और क्षमता को बढ़ाओ।

जीवन में सिर्फ मित्र मत बनाओ, मीत बनाओ। मीत बनेंगे तो मैत्री भाव स्थापित होगा। हाथ मिलाने वाले, गले मिलने वाले बहुत होंगे लेकिन गलत राह में जाने से रोकने वाले मीत कम होते हैं। जैसे सोने की पहचान परखने से होती है, मनुष्य की पहचान मिलने से होती है। मुनि प्रणव सागर ने कहा कि जीवन में स्वयं के लक्षण को जानना आवश्यक है। खुद के लक्षण को जाने बगैर लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होगी। समय पर समय को नहीं समझ पाए तो आज जैसे हो कल भी ऐसे ही रहोगे। संसार चलता रहेगा। जीवन में जब भी खुशी या दुख के दिन आए तो एक ही बात सोचना कि यह समय भी निकल जाएगा। सब पुण्य पाप का खेल है, सब कर्म का खेल है। समय को सोना बना दो या सो कर गुजार दो यह आपको सोचना पड़ेगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता

लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा जल्द ही करेंगे शादी! एक्टर ने खुद कही ये बात

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश इस समय छोटे पर्दे के सबसे ज्यादा पॉपुलर कपल में शुमार हैं। वह टेलीविजन इंडस्ट्री की उन जोड़ियों में से एक हैं, जो अपने प्यार और रिश्ते के बारे में हर जगह खुलकर बात करते हैं और अक्सर एक दूसरे पर प्यार लुटाते नजर आते हैं। फैंस दोनों की जोड़ी को काफी पसंद करते हैं और उन्हें हमेशा साथ देखना चाहते हैं। ऐसे में कई बार उनकी शादी को लेकर भई खूब कयास लगाए जाते हैं। फिलहाल लगता है कि प्रशंसकों की ख्वाहिश जल्दी ही पूरी होने वाली है। अभिनेता ने अपनी शादी के बारे में खुद बात की है।

बिग बॉस 15 में बनी दोनों की जोड़ी

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा बिग बॉस के 15वें सीजन में करीब आए थे। तेजस्वी इस शो की विनर रही थीं। शो के समय से ही दोनों की केमिस्ट्री ने सबका दिल जीत लिया था और फैंस उन्हें प्यार से तेजरन के नाम से बुलाते हैं और उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

शादी के प्लान पर बोले करण कुंद्रा

एक शो में बातचीत के दौरान करण कुंद्रा से उनके फैंस से लेकर तेजस्वी के संग रिश्ते के बारे में भी बात की गई और इसी दौरान जब उनसे शादी को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि जल्दी ही होनी चाहिए। इसके आगे करण कुंद्रा कहते हैं कि सब कुछ बहुत अच्छा जा रहा है, सब बहुत कमाल का चल रहा है। इसके बाद वह आगे कहते हैं कि मियां भी राजी, बीवी भी राजी, काजी भी राजी।

बात करें वर्क फ्रंट की तो तेजस्वी प्रकाश इस समय एकता कपूर के शो में 'नागिन 6' में लीड नागिन के किरदार में नजर आ रही हैं। बात करें एक्टर करण कुंद्रा की तो उनके हाथ में भी कई प्रोजेक्ट हैं और कुछ समय पहले कपल का एक सॉन्ग भी रिलीज हुआ है।

आजकल हम ज्यादा हार्श हो गए हैं, हिट और फ्लॉप फिल्में बनती रहेंगीः आलिया भट्ट

एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपने करियर की शुरुआत से अपनी चॉइस से सरप्राइज करती रही हैं। स्टार किड और अक्सर कमर्शियल फिल्मों की हिस्सेदार रहने के बावजूद उन्होंने 'उड़ता पंजाब' और 'हाइवे' जैसी हार्ड हिटिंग फिल्में की हैं। 'गंगूबाई काठियावाड़ी' जैसी हिट फिल्म खाते में दर्ज करने और करियर की बुलंदियों पर भी शादी का फैसला किया। मदरहुड फेज में भी उन्होंने दस्तक दे दी है। अब आज बतौर प्रोड्यूसर और एक्टर वो शाहरुख खान के प्रोडक्शन के साथ फिल्म 'डार्लिंग्स' भी ला रही हैं।

प्रोड्यूसर बनने का ख्याल कब आया?

मुझे एक्चुअली याद नहीं है कैसे आया? वो बस आ गया। मेरे ख्याल से 'डार्लिंग्स' पहले आई। फिर प्रोड्युसर बनने का ख्याल आया। शायद मेरे दिल और दिमाग में एक कीड़ा था। वक्त हो गया है कि मैं भी एक प्रोड्युसर बनूं। मैं डायरेक्टर जसमीत की शुक्रगुजार हूं।

फिल्म 'जैसे को तैसा' वाले रिएक्शन पर बेस्ड है?

मैं ये तो नहीं कहूंगी कि ये जैसे को तैसा रिएक्ट करने की बात करती है। हां, बतौर हम्जा और बदरू जो मैं और विजय प्ले कर रहें हैं, उनके संबंध में प्रॉब्लम तो है। लोगों को उस प्रॉब्लम की झलक शायद डोमेस्टिक वॉयलेंस के तौर पर नजर आ रही है। मगर यहां उस प्रॉब्लम को फिक्स या सॉल्व करने की नीयत की कहानी भी है। फिल्म में उस सॉल्युशन के तरीकों पर बात की गई है जिस परिस्थितियों से हम मुंह फेरते लेते है। यहां एक बड़ी बात की गई है कि इंसान या तो सिचुएशन को बदले या खुद को।

शेफाली शाह आपकी मां का किरदार निभा रही हैं, आपने क्या तैयारी की इस रोल के लिए?

ये बात तो मुझे पता नहीं थी। यहां मैं और शेफाली तो साथ में नहीं रहे। मेरे ख्याल से हम दोनों को छुट्टी लेकर साथ रह लेना चाहिए था। वैसे भी इस बाबत मैं और शेफाली बहुत सिमिलर एक्टर हैं। हम मेथड एक्टिंग में नहीं घुसते। हम दोनों स्पॉन्टेनियस हैं। सच कहूं तो हम रिहर्सल के दौरान भी एक्टिंग नहीं करते थे। हम दोनों ही एक्टिंग सदा कैमरा ऑन होने पर टेक में किया करते थे। मुझे नहीं पता होता था कि वो क्या करने वाली हैं सीन में या मैं क्या करने वाली हूं? या डारेक्टर हम सबके साथ अलग अलग वन ऑन वन प्रेप किया था।

फिल्म में आपका किरदार किस मोड में हैं?

दरअसल जब डायरेक्टर जसमीत और मैं पहली बार मिले तो नैरेशन के दौरान ही वो बेहद क्लियर थीं कि फिल्म में बेशक एक मैसेज है। मगर हमें मनोरंजक तरीके से कहानी बयान करें तो उसका ज्यादा गहरा असर होगा। खासकर जो लोग आप को हंसाते हैं, वो आपको डेफिनेटली रूलाएंगे भी। तो यहां हम किरदारों का खूबसूरत कॉम्बिनेशन दे सकते हैं।

दर्शक उनके ह्युमर से कनेक्ट कर जाएंगे। फिर किरदारों की जर्नी का गवाह बन किरदारों से काफी कुछ सीखेंगे। वो अपने पति के साथ डिट्टो वही करना चाहती है, जैसा उसके पति ने उसके साथ किया। बाकी उसके पति ने उसके साथ क्या किया था? उसके बदले में जब मेरे किरदार ने कुछ किया तो उसके नतीजे क्या रहे, उसके लिए तो फिल्म देखनी होगी लोगों को।

पैंडेमिक के बाद से कम हिंदी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा किया है। आप के मुताबिक आगे किस तरह की फिल्में वर्क करेंगी?

वो तो कोई कभी नहीं बता सकता। मेरे ख्याल से हिंदी फिल्मों को लेकर हम ज्यादा हार्श बन रहे हैं। एक अंडरस्टैंडिंग हमेशा से रही है कि कुछ फिल्में चलेंगी, कुछ नहीं चलेंगी। चूंकि हम पैंडेमिक के बाद आ रहें हैं तो ज्यादा बातें होने लगी है कि पैंडेमिक के बाद ये हो गया या वो हो गया पर ये हमेशा होता था। हिट और फ्लॉप हमेशा आते थे। यह इस बिजनेस का नेचर है।

शायद ये जरूर हुआ है कि हमें ऑडियंस को थिएटर में लाने के लिए बहुत बड़े रीजन यानी कारण देने होंगे कि आओ। वह इसलिए हुआ कि पैंडेमिक के बाद बहुत ज्यादा नौकरियां गई हैं, प्रेशर बढ़ा है। तो वो अगर एक टिकट पर पैसे खर्च कर रहें हैं तो उन्हें उसका मोल देना होगा। मेरा मानना है कि जो पिक्चर अच्छी हैं, वो एक तो किसी भी प्लेटफॉर्म पर चलेगी, साथ ही हर दौर में चलेगी। आखिर में ऑडियंस ही किंग है। वो ही किस्मत तय करेगी।

दीपिका पादुकोण ने किया डिप्रेशन के दिनों को याद बोलीं- मुझे उस समय सुसाइड करने के ख्याल आते थे

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान मेंटल हेल्थ के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वो कुछ साल पहले डिप्रेशन से जूझ रही थीं। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि एक समय ऐसा था जब वो आत्महत्या तक करना चाहती थीं। फिर उन्होंने इससे बाहर निकलने का पूरा क्रेडिट अपनी मां को दिया।

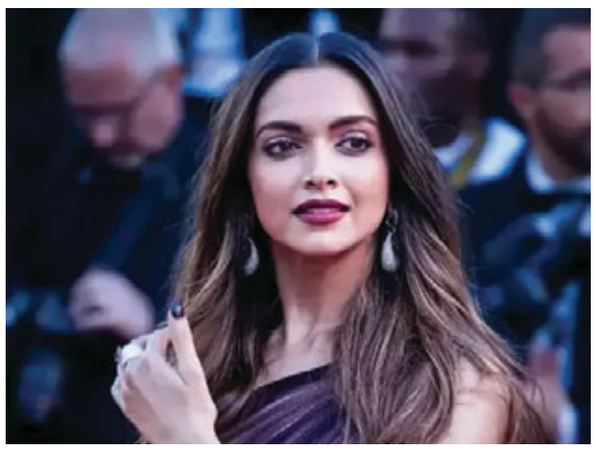

उस समय मुझे सुसाइड करने के ख्याल आते थे

दीपिका कहती हैं, 'मैं बिना किसी रीजन के परेशान हो जाती थी। ऐसे कई दिन थे, जब मैं जागना नहीं चाहती थी, मैं बस सोना चाहती थी क्योंकि सोना मेरे लिए लोगों से छिपने का एक तरीका था। उस समय मुझे सुसाइड करने के ख्याल आते थे।

मैं पेरेंट्स के सामने मजबूत रहने की कोशिश करती थी

दीपिका बताती हैं, 'मेरे पेरेंट्स बैंगलोर में रहते हैं, तो जब भी वो मुझसे मिलने आते थे तब मैं हमेशा उनके सामने अपने आपको मजबूत दिखाती थी। क्योंकि आप उन्हें दिखाना चाहते हैं कि आप अच्छा कर रहे हैं सब कुछ ठीक है। लेकिन एक दिन जब मेरे पेरेंट्स वापस बैंगलोर जा रहे थे, तब मैं अचानक रोने लगी।

मेरी मां समझ गई थीं कि मैं डिप्रेशन से जूझ रही हूं

दीपिका आगे कहती हैं, 'तब मेरी मां ने मुझसे जनरल पूछा कि बॉयफ्रेंड की वजह से कुछ है? या कुछ हुआ है। मेरे पास इन सवालों का कोई जवाब नहीं था क्योंकि ऐसा कुछ हुआ ही नहीं था बस मुझे अंदर से अकेलापन लगता था। उसी समय मेरी मां को समझ आ गया था कि मैं डिप्रेशन में हूं। इसलिए मैं इसे पहचानने का पूरा क्रेडिट अपनी मां को देती हूं।'

दीपिका ने 2015 में किया था इस बीमारी का खुलासा

दीपिका की बात करें तो वो काफी समय तक डिप्रेशन से जूझ चुकी हैं। उन्होंने 2015 में इस बीमारी का खुलासा किया था। वहीं जब फैंस को इस बात का पता चला था तब उन्होंने एक्ट्रेस का खूब सपोर्ट किया था। उसके बाद दीपिका ने 2018 में रणवीर सिंह से शादी कर ली थी। दोनों को आखिरी बार स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म '83' में देखा गया था।

अक्षय कुमार की रियल लाइफ बहन लाइम लाइट से रहती हैं कोसो दूर, ऐसा है दोनों का रिश्ता

बॉलीवुड के मिस्टर खिलाड़ी के नाम से मशहूर अभिनेता अक्षय कुमार इस समय अपनी आगामी फिल्म 'रक्षाबंधन' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में वह चार बहनों के भाई का किरदार अदा कर रहे हैं, लेकिन क्या अभिनेता अक्षय कुमार की रियल लाइफ बहन के बारे में जानते हैं। तो चलिए जानते हैं कि फिल्मों से इतर असल जिंदगी में अक्षय कुमार की बहन कौन हैं।

अभिनेता अक्षय कुमार फिल्मों में आने से पहले राजीव भाटिया के नाम से जाने जाते थे और उनकी बहन का नाम अलका भाटिया है। बॉलीवुड स्टार की बहन होने के बावजूद भी अलका को लाइमलाइट से कोसों दूर रहना पसंद है। हालांकि अक्षय और उनकी बहन का रिश्ता काफी मजबूत है।

अक्षय कुमार को नहीं पसंद थी अलका की शादी

अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया ने साल 2012 में सुरेंद्र हीरा नंदिनी से शादी रचाई थी। हालांकि बताया जाता है कि अक्षय को ये शादी पसंद नहीं थी लेकिन वह अपनी बहन के प्यार के आगे झुक गए। अलका के पति सुरेंद्र उनसे लगभग 15 साल बड़े हैं और अलका से शादी से पहले वह एक शादी और कर चुके थे, लेकिन 40 की उम्र में अलका सुरेंद्र को दिल दे बैठी थी।

अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया का भाई और भाभी दोनों के साथ मजबूत बॉन्ड है, हालांकि वह मुंबई में नहीं बल्कि दिल्ली में रहती हैं। एक बार अक्षय कुमार ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था कि वह रक्षाबंधन का त्योहार कैसे सेलिब्रेट करते हैं। अभिनेता ने कहा था कि सुबह जल्दी उठना और स्कूल से एक दिन की छुट्टी न लेना मेरी रक्षाबंधन की सबसे पुरानी यादें हैं। हम दोनों ने कैथोलिक स्कूल से पढ़ाई की और हमें त्योहार मनाने के लिए एक दिन की छुट्टी नहीं मिली।

ऐसा है दोनों का रिश्ता

अक्षय ने इंटरव्यू के दौरान बताया था कि उनकी बहन जब राखी बांधती थीं तो वह पैर छूकर आशीर्वाद लेते थे। वह आज भी इस रस्म को निभाते हैं। वह अपनी बहन के घर जाकर उनसे राखी बंधवाते हैं और पैर छूकर आशीर्वाद लेते हैं। अक्षय ने बताया कि आज भी उनके बीच कुछ नहीं बदला।

'सर्कस' की शूटिंग हुई पूरीः फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगे रणवीर सिंह, एक किरदार मैजिशियन का होगा

न्यूड फोटोशूट को लेकर विवादों में रहे रणवीर सिंह का फोकस काम से नहीं हटा है। उन्होंने रोहित शेट्टी की फिल्म 'सर्कस' के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है। रोहित शेट्टी और फिल्म से जुड़े सूत्रों ने फिल्म से जुड़ी कई खास बातें शेयर की हैं।

सूत्र ने बताया, रणवीर सिंह पर कानूनी कार्रवाई की तलवार लटक रही है, लेकिन सेट पर वो बेहद बेफिक्र नजर आए। पिछले हफ्ते उन्होंने रोहित शेट्टी की फिल्म 'सर्कस' की शूटिंग फाइनली पूरी कर ली है। यह फिल्म का प्री क्लाइमैक्स पोर्शन था। उसमें बतौर मैजिशियन रणवीर सिंह ने सर्कस के मंच पर परफॉर्म किया। दिलचस्प बात यह है कि रोहित शेट्टी ने 'बोल बच्चन' की तरह यहां भी मूल फिल्म की फ्रेम टु फ्रेम कॉपी नहीं की है। वहां मूल फिल्म 'गोलमाल' थी। यहां मूल फिल्म 'अंगूर' है।

सूत्रों ने फ्रेम टु फ्रेम कॉपी न होने के दावे भी पेश किए। उन्होंने बताया, 'अंगूर' में संजीव कुमार का किरदार तो धन्ना सेठ और एक वॉन्ना बी जासूस होता है। यहां ऐसा नहीं है। यहां बेशक रणवीर सिंह का डबल रोल है, मगर उनका ताल्लुक सर्कस कंपनी से है। सर्कस कंपनी के संचालक के तौर पर रणवीर सिंह के एक किरदार के पास मेकर्स ने मैजिकल पावर भी दिए हैं। जैसे 'ब्रह्मास्त्र' में रणबीर कपूर के किरदार को आग की शक्ति हासिल है, वैसे ही यहां रणवीर सिंह के पास इलेक्ट्रिक एनर्जी की ताकत है। वह पावर छोटे भाई प्ले करने वाले रणवीर सिंह के पास होती है।

रोहित शेट्टी और रणवीर सिंह के करीबियों ने हालांकि एक दूसरा रोचक पहलू भी साझा किया। उन्होंने बताया, मेकर्स ने यकीनन 'सर्कस' को 'अंगूर' की तरह हूबहू नहीं होने दिया, मगर दोनों हीरो के एकाध मैनेरिज्म में सलमान खान और डेविड धवन की बरसों पहले आई 'जुड़वां' से समानता है। मिसाल के तौर पर यहां भी एक भाई को चोट लगती है तो दूसरे भाई को दर्द होता है। इसी तरह वरुण शर्मा के किरदारों में भी पास्ट में आई फिल्मों के रोचक किरदारों के दिलचस्प मैनेरिज्म को शुमार किया गया है। यहां भी हीरो के दूसरे रोल को आम इंसान की तरह रखा गया है।

मेकर्स और रणवीर ने बीते दिनों जो सीक्वेंस शूट किया, उसमें दर्शकों की भारी तादाद दिखाने के लिए बाकायदा एक एरिना क्रिएट किया। माना जा रहा है कि उसका प्रोडक्शन कॉस्ट 1 से 2 करोड़ का है। रणवीर के अलावा इस बार सर्कस के दूसरे विभाग के साइक्लर, जगलर, जोकर बने कलाकारों ने भी शूट किया। रोहित शेट्टी ने उन्हें प्ले करने वालों में ज्यादातर रियल लाइफ वाले देश-विदेश के सर्कस के जिम्नास्टों को भी कास्ट किया है।

सेट पर शूट के दौरान किसी ने रणवीर सिंह के हालिया फोटोशूट पर टांग खिंचाई नहीं की। इस बीच रोहित शेट्टी ने डिजिटल डेब्यू 'इंडियन पुलिस फोर्स' के दूसरे शेड्यूल में भी कदम रख दिया है। एक अगस्त से ही वह शेड्यूल शुरू हुआ है। इसे सितंबर तक कंप्लीट करने की तैयारी है। इसके कुल 8 एपिसोड बन रहें हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा इसमें मेन लीड में हैं। ज्यादा संभावना है कि इसे अगले साल ही रिलीज किया जाएगा। वह इसलिए कि इस क्रिसमस पर 'सर्कस' आ रही है। उसके बाद रोहित 'इंडियन पुलिस फोर्स' के प्रोमोशन में जुट सकेंगे।

सूत्रों ने रोहित के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के बारे में भी जानकारी शेयर की हैं। उन्होंने बताया, इन दोनों के बाद रोहित का अगला प्रोजेक्ट 'सिंघम-3' होगा। 'सर्कस' में रोहित शेट्टी ने एक और अनूठा प्रयोग किया है। वह यह कि इसमें उन्होंने रणवीर सिंह के पिता का रोल निकेतन धीर से प्ले करवाया है। निकेतन धीर का फिल्म में कैमियो है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-

9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI TH XII TH B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O.
& CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में रक्षा टीम ने जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

गरियाबंद। रक्षा टीम के द्वारा बच्चों को जागरूक करने नई पहल जिला गरियाबंद पुलिस कप्तान जेआर0ठाकुर दिशा-निर्देशन,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रेश सिंह ठाकुर, उपपुलिस अधीक्षक निशा सिन्हा के मार्गदर्शन में रक्षा टीम द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गरियाबंद परिसर में जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही साथ विभिन्न खेलों का किया गया आयोजन। कार्यक्रम में स्कूल परिसर में करीब 300-400 छात्राओं व शिक्षकगणों की उपस्थिति में खेल-कूद का आयोजन किया गया , जिसमे चम्मच दौड़, मटका फोड़, रसा खींच, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता कराया गया। विजेता और उपविजेता को पुरस्कृत किया गया उक्त खेल में अधिक से अधिक बच्चे उत्साह के साथ भाग लिए। कार्यक्रम के दौरान रक्षा टीम नोडल उप पुलिस अधीक्षक निशा सिन्हा के द्वारा बच्चों को फ्लता के संबंध में अपना अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि आदमी की सफ्लता के पीछे गुरुजनों और परिवार वालों का अहम योगदान रहता है, इसके अलावा पुलिस विभाग के अभिव्यक्ति ऐप के बारे में बताया गया की आप कहीं भी हो अगर आपको कोई समस्या है।

4 दिवसीय नि:शुल्क नेत्र जांच व चश्मा वितरण शिविर का हुआ शुभारंभ

जगदलपुर। महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल द्वारा 06 से 09 अगस्त तक बस्तर जिले में नि:शुल्क नेत्र जांच व चश्मा वितरण शिविर का शुभारंभ सिंधु भवन में किया गया। पहले दिन 01 हजार से अधिक मरीज शिविर में पहुंचे, विशेषज्ञ डॉक्टरो द्वारा जांच के बाद सलाह और 200 से अधिक जरूरतमंद लोगों को चश्मा वितरण किया गया। आंख के ऑपरेशन के लिए भी कुछ लोगों का चयन किया गया है। शिविर में सर्व सुविधायुक्त बस में जांच की सुविधा उपलब्ध है। कार्यक्रम संयोजक अनिल लुंकड़ व सहसंयोजक शिवनारायण चांडक ने बताया कि पहले दिन का शिविर सिंधु भवन में सुबह 10 से शाम 05 बजे तक विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा यहां पहुंचे मरिजो की जांच कर जरूरत पडने पर उन्हें नि:शुल्क चश्मा प्रदान किया गया। कुछ मरिजो को ऑपरेशन के लिए भी चयन किया गया है। चयनित मरिजो का बहुत जल्द ऑपरेशन भी किया जाएगा।

महिला अधिकारियों की टीम कर रही है कन्या आश्रम-छात्रावासों की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर । जिले में संचालित कन्या आश्रम-छात्रावासों में छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था एवं आवश्यक सुविधाओं की जांच के लिए कलेक्टर डॉ प्रियंका शुक्ला द्वारा प्रत्येक विकासखण्ड के लिए चार से पांच महिला अधिकारियों की टीम गठित की गई है, जिनके द्वारा कन्या आश्रम-छात्रावासों में जाकर आकस्मिक जांच किया जा रहा है, साथ ही छात्राओं से चर्चा कर उनकी सुरक्षा व्यवस्था एवं सुविधा के संबंध में जानकारी भी लिया जा रहा है तथा गुड टच एवं बैड टच और आत्मरक्षा के लिए कराटे एवं स्वास्थ्य के लिए योगा की जानकारी भी दिया जा रहा है।

कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला की अध्यक्षता में आज जांच टीम के महिला अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिनके आधार पर 07 आश्रम-छात्रावासों के अधीक्षिका को कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया, साथ ही आश्रम-छात्रावासों की साफ-सफाई में कोताही बरतने वाले दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के विरूद्ध भी कार्यवाही करने के लिए आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त को निर्देशित किया गया है। कलेक्टर द्वारा सभी आश्रम-छात्रावासों में खाना एवं नाश्ता का उचित समय निर्धारित करने, प्रत्येक छात्रावास में शिकायत पेटी लगाने, शौचालय एवं स्नानागार को दुरूस्त करने तथा शौचालय की साफ-सफाई के लिए स्वीपर की व्यवस्था करने, खिड़कियों में मच्छर से बचाव के लिए जाली लगाने, सभी आश्रम-छात्रावासों में मच्छरदानी का उपयोग करने, बिजली कनेक्शन एवं आंतरिक विद्युतीकरण की जांच करने, बर्तनों की स्थिति की जांच करने, बच्चो के सोने के चादर की नियमित साफ-सफाई कराने के लिए निर्देशित किया गया। अति जर्जर आश्रम-छात्रावासों की मरम्मत कराने के लिए प्रांक्कलन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये हैं। उनके द्वारा सभी एसडीएम को भी अपने क्षेत्र के आश्रम-छात्रावासों की जांच करने के लिए कहा गया है।

बैठक में जानकारी देते हुए जांच टीम के अधिकारियों ने बताया कि उनके द्वारा आश्रम-छात्रावासों का अवकाश के दिन अथवा सायं काल में आश्रम-छात्रावासों का निरीक्षण किया जाकर छात्राओं से बातचीत की गई एवं उनकी सुरक्षा एवं सुविधाओं के संबंध में जानकारी लिया गया। छात्राओं को गुड टच, बैड टच की जानकारी दी गई और उन्हें आत्मरक्षा के लिए कराटे सीखने और स्वस्थ्य रहने के लिए योगा करने की समझाईश भी दी गई।

छात्रावासों मे भोजन की गुणवत्ता को सुधारने एवं समय पर भोजन प्रदाय करने के लिए निर्देश दिये गये। जांच टीम के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर कलेक्टर डॉ प्रियंका शुक्ला ने पोस्ट मैट्रिक एवं प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास चारामा के गार्ड तथा दैनिक वेतनभोगी को हटाने तथा कन्या छात्रावास जुनवानी (पण्डरीपानी), पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास अलबेलापारा कांकेर, कन्या आश्रम आमाकड़ा (दुर्गूकोंदल), प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास पीढ़ापाल, पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास नरहरपुर, कन्या आश्रम लोहत्तर के अधीक्षिका और प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास चवांड़ के तत्कालिन अधीक्षिका को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये हैं।

बच्चों के पोषण स्तर का पता लगाने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों में चल रहा वजन त्यौहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

1,502 आंगनबाड़ी केंद्रों में 13 अगस्त तक होंगे विविध आयोजन

दुर्ग। शून्य से 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण की स्थिति जानने के लिए जिले में वजन त्यौहार मनाया जा रहा है। इस दौरान सुपोषण के प्रति जागरुकता के लिए 13 अगस्त तक जिले के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वजन त्यौहार की सार्थकता के लिए सभी 1,502 आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, सॉल्टर मशीन, वयस्क वजन मशीन, इंफेन्टोमीटर, स्टिडियोमीटर व सामुदायिक ग्रोथ चार्ट आदि की व्यवस्था की गई है।

वजन त्यौहार की शुरुआत विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों तथा बच्चों के पालकों की उपस्थिति में की गई है। दुर्ग जिले में शून्य से 6 वर्ष तक के लगभग एक लाख बच्चों सहित अन्य बच्चों का वजन लेने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए प्रत्येक परियोजना में 5 से 6 आंगनबाड़ी केन्द्रों को मिलाकर एक क्लस्टर बनाया गया है। कलेक्टर के द्वारा प्रत्येक क्लस्टर के लिए एक नोडल अधिकारी बनाया गया है। नोडल अधिकारी अपने क्लस्टर के तहत निर्धारित तिथि को आयोजित किए जाने वाले वजन त्यौहार का प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र में जाकर निरीक्षण करेंगे तथा निर्धारित प्रारूप में इसकी जानकारी परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग को प्रेषित करेंगे। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने समस्त संबद्ध विभागों को वजन त्यौहार की मॉनिटरिंग करने तथा इस कार्य में आवश्यक सहयोग देने हेतु निर्देशित किया है। साथ ही आमजन से अपील की है कि सभी पालक अपने शून्य से 6 वर्ष तक के बच्चों का पोषण स्तर जानने हेतु निर्धारित तिथि पर आंगनबाड़ी केन्द्र जाकर अपने बच्चों का वजन अवश्य कराएं। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉण् जेपी मेश्राम ने बताया: कोविड-19 के संक्रमण से बचाव हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए जिले के 1,502 आंगनबाड़ी केन्द्रों में क्लस्टरवार निर्धारित तिथि को वजन त्यौहार का आयोजन किया जाएगा। संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों में दर्ज शून्य से 6 वर्ष के समस्त बच्चों के अभिभावकों को आमंत्रण पत्र भेजा जा रहा है जिसमें आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों का वजन लिए जाने की तिथि तथा समय का उल्लेख है। वजन त्यौहार के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की टीमें अपने-अपने निर्धारित क्षेत्र में दौरा कर वजन त्यौहार का निरीक्षण करेंगे।

वजन त्यौहार सॉफ्टवेयर में दर्ज होगी सुपोषण की स्थिति

वजन लेने के उपरांत संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा उसकी ऑनलाइन एंट्री वजन त्यौहार सॉफ्टवेयर में की जाएगी। एंट्री के बाद बच्चों के पोषण स्तर की जानकारी संबंधित बच्चों के पालकों को उनके मोबाइल नंबर पर मिलेगी। इस कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक बच्चों को पोषण वृद्धि निगरानी कार्ड भी दिया जाएगा। कार्ड में आगामी 01 वर्ष तक प्रति माह बच्चों का वजन लेकर उसके पोषण स्तर की जानकारी एकत्र की जाएगी। यह कार्य संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से वितरित किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में उत्कृष्ट गौठान होंगे पुरस्कृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप राज्य एवं जिला स्तर पर उत्कृष्ट गौठानों को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह में पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा । इसके लिए कृषि विभाग द्वारा उत्कृष्ट गौठानों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राज्य के तीन सर्वश्रेष्ठ गौठानों को राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में 50-50 हजार रूपए का पुरस्कार तथा जिले के एक उत्कृष्ट गौठान को 25 हजार रूपए का पुरस्कार जिला स्तरीय समारोह में प्रदान किया जाएगा। समारोह में उत्कृष्ट गौठान से संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच एवं गौठान समिति के अध्यक्ष को मुख्य अतिथि द्वारा शाल, फ्ल, प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित भी किया जाएगा। उत्कृष्ट गौठानों को पुरस्कृत करने हेतु 10 लाख रूपए का अनुमोदन गोधन न्याय मिशन की बैठक में किया जा चुका है।

कृषि विभाग ने उत्कृष्ट गौठानों के चयन के लिए बुनियादी ढ़ांचा, गोबर क्रय एवं कम्पोस्ट उत्पादन, विविध आजीविका एवं स्वावलंबन को आधार मानते हुए इसके लिए कुल 100 अंक निर्धारित किए हैं। बुनियादी ढांचा के अंतर्गत गौठानों में पानी, विद्युत, शेड, कोटना निर्माण, सोलर पम्प, फेंसिंग सहित जियो टैगिंग के लिए अधिकतम 7 अंक निर्धारित किया गया है। गौठानों में गोबर क्रय एवं कम्पोस्ट उत्पादन के अंतर्गत गोबर की सक्रिय खरीदी, मात्रा, सक्रिय गोबर विक्रेता, वर्मी टांकों की उपलब्धता, गोबर से कम्पोस्ट रूपांतरण का अनुपात, उत्पादन के विरूद्ध वर्मी कम्पोस्ट का विक्रय एवं मानक नमूनों के प्रतिशत के लिए अधिकतम 71 अंक निर्धारित किए गए हैं, जबकि गौठानों में आजीविकामूलक गतिविधियों तथा महिला समूह के प्रति सदस्य की औसत आय पर अधिकतम 12 अंक तथा स्वावलंबी गौठान द्वारा गोबर क्रय हेतु किए गए भुगतान की किश्त संख्या के लिए अधिकतम 10 अंक निर्धारित है।

उत्कृष्ट गौठान चयन के लिए जिला एवं राज्य स्तर पर समिति गठित की गई है, जिसके द्वारा उत्कृष्ट गौठानों का चयन गोधन न्याय योजना पोर्टल/जीमैप में प्रवेष्टि आंकड़ों के आधार पर निर्धारित मापदंड के अनुरूप करके निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया जाएगा। एक-एक उत्कृष्ट गौठान में से दो उत्कृष्ट गौठानों का चयन कर जिला स्तरीय समिति द्वारा निरीक्षण एवं मूल्यांकन कर पुरस्कृत किया जाएगा।

महापौर व आयुक्त ने प्रमुख जलकार्य विभाग के अधिकारी व अमृत मिशन के ठेकेदारों के साथ ली अहम बैठक, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम के डाटा सेंटर सभागार में आज महापौर धीरज बाकलीवाल, आयुक्त प्रकाश सर्वे एवं जलकार्य प्रभारी संजय कोहले ने जलकार्य विभाग एवं अमृत मिशन योजना के समस्त अधिकारी व कर्मचारियों की औचक बैठक लेकर शहर क्षेत्र के वार्डो में जल प्रभावित समस्यों को गंभीरता से लेते हुए महापौर व आयुक्त ने अधिकारियों इस विषय पर चर्चा करते हुए कहा अमृत मिशन योजना के तहत निगम क्षेत्रो अंतर्गत विभिन्न स्थानों के नव निर्मित पानी टंकियो को पहले भरा जाए। वार्ड 20 आदित्य नगर क्षेत्र में बिछाई गई पुरानी लाइन से 100 नल कनेक्शन को नई पाइप लाइन में शिप्टिंग् का कार्य हेतु जलकष्ट निवारण मद अंतर्गत 10 लाख का प्रस्ताव बनाने निर्देश दिये गये। निगम द्वारा तिथि निर्धारित कर क्षेत्र में शट डाउन लेकर अमृत मिशन के द्वारा 12 नग नये वाल्व नये टंकियों में लगाने हेतु आदेशित किया गया। पद्मनाभपुर में निर्मित नई पानी टंकी को जोड़ने का कार्य और अन्य दो स्थानों पर पद्मनाभपुर में जोड़ने का कार्य शीघ्र करवाने के लिए कहा गया।दीपक नगर क्षेत्र के विभिन्न गलियों में व्याप्त पेयजल समस्या के निराकरण हेतु पीडीएमसी हेड के साथ निरीक्षण कर समस्या का निराकरण किया जाए।महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त प्रकाश सर्वे ने नाला डायवर्शन के कॉफ्र डैम की मिट्टी को हटाने हेतु संबधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर , अग्रिम कार्यवाही तत्काल किये जाने निर्देश दिये।

महापौर व आयुक्त ने कहा कि 11 एमएलडी फील्डर प्लांट में लोड बढ़ने से से ट्रांसफॉर्मर एवं विद्युत लाइन के संबंध में परिवर्तन करनेहेतु ष्टस्श्वक्क को जल्द पत्र लिखने का कहा गया।बैठक में महापौर धीरज बाकलीवाल ने अमृत मिशन के शेष कार्यों में तेजी लाकर कार्य पूर्ण करने, इंटर कनेक्शन एवं नल कनेक्शन करने के कार्य को शीघ्र पूर्ण करने, जहां नया नल कनेक्शन लग चुका है वहां पानी न बहे साथ उन्होंने कहा कि पाइप लाईन विस्तार के कारण जहां-जहां गड्ढे हैं, उसे तुरंत फिलिंग करने के निर्देश दिये ।बैठक के दौरान संजय कोहले, प्रभारी जलकार्य समिति, अब्दुल गनी प्रभारी, लोक कर्म विभाग, दीपक साहू प्रभारी वित्त एवं लेखा विभाग,भोला महोबिया प्रभारी, विद्युत विभाग, हमीद खोखर स्वास्थ्य विभाग ,अमित देवांगन पार्षद, प्रमोद कुमार दुबे कार्यपालन अभियंता, आर0के0जैन सहायक अभियंता, राजेन्द्र ढबाले उप अभियंता जलगृह विभाग, भीम राव उपअभियंता अमृत मिशन, नारायण सिंह ठाकुर जलकार्य निरीक्षक, अभ्युद्ध मिश्रा,कपीश दीक्षित एवं अन्य कर्मचारी गण 10 डिप्टी टीम लीडर (पीडीएमसी) अमृत मिशन नगर पालिक निगम, दुर्ग:। 11. मे लक्ष्मी सिविल इंजीनियरिंग सर्विसेस कोल्हापुर महाराष्ट्र मौजूद थे।

वन मंत्री अकबर ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए किया प्रोत्साहित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री तथा विधायक कवर्धा मोहम्मद अकबर ने आज रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में वर्चुअल कार्यक्रम में 20 खिलाड़ियों को एक लाख रूपए की राशि प्रदान कर प्रोत्साहित किया। उन्होंने इन खिलाड़ियों में से प्रत्येक को स्वेच्छानुदान मद से 5-5 हजार रूपए की राशि प्रदान की।

वन मंत्री श्री अकबर ने इस अवसर पर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रदेश में खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव पहल की जा रही है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में खेल अधोसंरचना के विकास और मजबूती के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कड़ी मेहनत और सतत् अभ्यास करने हेतु प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर वर्चुअल कार्यक्रम में कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे, नगर पालिका अध्यक्ष श्री ऋषि कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष सर्वश्री जमील खान, नरेन्द्र देवांगन, चुनवा खान, सुशीला धुर्वे, मोहित माहेश्वरी, उत्तम गोप, संजय लांझी, संतोष यादव, सुनील साहू, एल्डरमेन दलजीत पाहुजा, हिरेश चतुर्वेदी, राजेश गुप्ता, बलदाउ चंद्रवंशी, देवा साहू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरेश कुमार वर्मा सहित अधिकारी -कर्मचारीगण, जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खास-खबर

अर्धनग्न अवस्था में मिली लाशः रात में टहलने निकले युवा व्यापारी की सुबह झाड़ियों में मिली लाश, हत्या की आशंका

कवर्धा (ए)। कवर्धा थाना क्षेत्र में नवीन बाजार के पीछे गुरु नाले के पास झाड़ियों में शनिवार सुबह एक व्यापारी की लाश मिली है। शरीर पर छिलने और जख्म के निशान पाए गए हैं। शव अर्धनग्न अवस्था में थी। इसके आधार पर उसकी हत्या का शक जताया जा रहा है। पुलिस अभी खुलकर यह स्वीकार नहीं रही है। मृतक की पहचान विनोद कौशिक (38) वार्ड- 26 घोठिया रोड के रूप में की गई है। मोहल्ले में उसकी कपड़े और खाद-बीज की दुकान है। शुक्रवार रात करीब 10 बजे विनोद घर से पैदल सैर करने निकला था। इस बीच उसकी अपने बेटे से फोन पर बात भी हुई थी। उसने बेटे से कहा था कि वह जल्दी घर लौट रहा है, लेकिन रातभर नहीं आया। इस दौरान परिजन उसे लगातार कॉल कर रहे थे, लेकिन विनोद ने फोन उठाया। शनिवार सुबह घर से करीब 500 मीटर की दूर पर नवीन बाजार के पीछे गुरु नाले के पास उसकी अर्धनग्न लाश पाई गई।

फैमिली के साथ किराए के मकान में रहता था

मृतक विनोद कौशिक मूलतः ग्राम मिरमिट्टी का रहने वाला है। काफी समय से वह अपने फैमिली के साथ कवर्धा के वार्ड- 26 में घोठिया रोड स्थित किराए के मकान में रह रहा था। फैमिली में पत्नी और 3 बच्चे हैं। मकान से लगा हुआ दो कांप्लेक्स भी किराए पर लिया है। एक कांप्लेक्स में कपड़े की दुकान खोला है, जिसमें उसकी पत्नी बैठती है। दूसरे में कृषि केंद्र खोला है, जिस पर वह खुद बैठता था।

मकान से घटनास्थल तक सीसी कैमरे खंगाल रहे घोठिया रोड स्थित जिस मकान में मृतक विनोद अपनी फैमिली के साथ किराए के कमरे में रहता था, वहां से घटनास्थल की दूरी महज 500 मीटर दूरी पर है। शुक्रवार रात वह पैदल सैर के लिए निकला था। लिहाजा, पुलिस की एक टीम संभावित रास्तों पर दुकानों व मकानों में लगे सीसी कैमरे की फुटेज खंगालने में लगी है। हालांकि, देर शाम तक कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया था। एएसपी मनीषा ठाकुर का कहना है कि मामले के हर पहलुओं पर जांच की जा रही है।

हत्या का शकः शरीर पर मिले हैं निशान

नवीन बाजार के पीछे गुरु नाला किनारे झाड़ियों में जिस परिस्थिति में व्यापारी की लाश मिली है, उससे हत्या का शक गहराने लगा है। शव अर्धनग्न अवस्था में थी। कमर के नीचे दाएं जांघ पर छिला हुआ है। हाथ व सिर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। जहां पर लाश मिली है, वहां पैदल ही पहुंचा जा सकता है। इसलिए रोड एक्सीडेंट की बात को पुलिस खारिज कर रही है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल के मरच्यूरी भेजा गया था। शार्ट पीएम रिपोर्ट में मृतक के पेट में शराब की मात्रा मिली है। वहीं पेट में अनडाइजेस्ट फूड (अनपच भोजन) की मात्रा नहीं मिली है। यानी उसने भोजन भी नहीं किया था। पुलिस की मानें, तो आसपास जान- पहचान वालों से पूछताछ में पता चला है कि नशे की लगत के कारण विनोद अक्सर भोजन नहीं करता था।

बांध के किनारे मिला 60 साल के वृद्ध का शव, हनुमान मंदिर में कराता था पूजा-पाठ

पेंड्रा (ए)। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में शनिवार देर रात एक मंदिर के पुजारी के सहयोगी की नृशंस हत्या कर दी गई। हत्यारे ने 60 साल के वृद्ध का पैर और गला काट दिया। वृद्ध का शव मनोरा बांध के पास मिला है। वृद्ध वहीं पास ही स्थित बजरंग बलि के मंदिर में पूजा-पाठ कराता था। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में वृद्ध के बेटे को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। मामला मरवाही थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मरवाही के मनोरा गांव के बहुटटोला में बजरंगबली और देवी जी का मंदिर है। इसी मंदिर में हीरादीन (60) रहकर पुजारी के साथ पूजा-पाठ में सहयोग करता था। करीब 40 साल पहले वह अपनी पत्नी से अलग हो गया

था और उसने दूसरी शादी कर ली थी। देर रात पुलिस को सूचना मिली कि हीरादीन का शव बांध के किनारे पड़ा हुआ है। पुलिस पहुंची तो देखा कि धारदार हथियार से हीरादीन का पैर घुटने के पास से काट दिया गया था। वहीं उसकी गर्दन पर भी वार था।

मरवाही थाना प्रभारी अनिल अग्रवाल ने बताया कि हीरादीन मंदिर के पूजा-पाठ में सहयोग करता था। अभी तक कि जांच में सामने आया है कि दूसरी शादी के बाद हीरादीन ने संपत्ति का बंटवारा कर दिया था, लेकिन उसकी पहली पत्नी से बड़ा बेटा इससे संतुष्ट नहीं था। इसे लेकर पिता-पुत्र के बीच कई बार विवाद भी हो चुका था। करीब साल भर पहले भी विवाद की स्थिति बनी थी। उन्होंने बताया कि पुलिस इसी दिशा में फ्लिहाल जांच कर रही है। हीरादीन के बेटे को हिरासत में लिया गया है।

रायपुर में मिर्जापुर वाला फिल्मी कांड

हाथ में देसी कट्टा फटने से कटकर गिरी उंगली शराब पीने के बाद दोस्तों से हुआ था विवाद

रायपुर (ए)। रायपुर में देर रात मशहूर वेब सीरीज मिर्जापुर जैसा कांड हो गया। एक्टर पंकज त्रिपाठी ने मिर्जापुर वेब सीरीज में लीड रोल निभाया था । इस वेब सीरीज का एक सीन है जिसमें कट्टा फायरिंग करते वक्त हाथ में फट जाता है, उंगलियां टूट कर सड़क पर गिर जाती हैं ठीक वैसा ही कांड रायपुर में हुआ है।

वेब सीरीज के उस सीन की तरह राजेंद्र नगर इलाके में देर रात एक युवक के हाथ में देसी कट्टा फट पड़ा। उसकी उंगली भी कट कर गिर पड़ी। भिलाई की नंबर प्लेट वाली टाटा इंडिका कार में बैठे-बैठे युवक के हाथ से गोली चल गई आसपास के लोगों ने गोली की आवाज सुनी तो फौरन पुलिस को खबर दे दी। इतने में अपनी कार से तेजी से भाग गए थे।

राजेंद्र नगर इलाके में बसन्त विहार कॉलोनी के पास गोली कांड की खबर पाकर पुलिस महकमे के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। सड़क पर खून बिखरा हुआ था। चश्मदीद लोगों ने बताया कि एक कार रुकी थी जिसमें से गोली की आवाज आई। एक युवक नीचे उतरा फिर गाड़ी आगे बढ़ गई।

काफी देर तक पुलिस विभाग के कर्मचारी यह पता लगाने की कोशिश करते रहे कि आखिर गोली किसने चलाई और किसे लगी। करीब 1 से डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद खबर आई कि एक घायल युवक को लेकर उसके साथ अंबेडकर अस्पताल पहुंचे हैं। फौरन पुलिस भी मौके पर पहुंची और इस गोलीकांड के पीछे का राज खुला।

अंबेडकर अस्पताल में इलाज करवा रहे घायल भूपेंद्र नाम के युवक ने बताया कि वह पूरेना इलाके का रहने वाला है। उसके कुछ दोस्त साथ आए हुए थे। देर रात इन लोगों ने साथ में शराब पी। उसके बाद कार से घूमने निकले। गाड़ी भूपेंद्र चला रहा था, इनकी तेज रफ्तार गाड़ी ने रास्ते में एक युवक को टक्कर भी मार दी। कार में बैठे भूपेंद्र के साथियों ने इसे लेकर बहसबाजी शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि भूपेंद्र की कमर में कट्टा फंसा हुआ था। दोस्तों से हो रही बहस के बीच भूपेंद्र ने कट्टा निकालने की कोशिश की और इतने में गोली चल गई। कट्टा भी फट गया जिससे भूपेंद्र की उंगली गाड़ी में गिर गई और भूपेंद्र को गोली भी लगी। भूपेंद्र के के खिलाफ आनंद थाने में मुकदमे दर्ज हैं यह पुराना बदमाश है।

भूपेंद्र के घायल होने के बाद उसके साथ गाड़ी में मौजूद दोस्त पवन और बृजेश में से पवन ने गाड़ी ड्राइव की और तेलीबांधा की ओर गए। आस-पास के अस्पताल में भूपेंद्र का इलाज करवाना चाहा। हाईवे पर मौजूद एक निजी अस्पताल ने इलाज करने से इंकार कर दिया। इसके बाद तेलीबांधा अंदर ब्रिज के पास ही इन्होंने कार को लावारिस हालत में छोड़ दिया। और वहां से अंबेडकर अस्पताल पहुंचे। अंबेडकर अस्पताल से पुलिस की दूसरी टीम को खबर मिली । अब फिलहाल भूपेंद्र का इलाज चल रहा है, और उसके साथियों से पुलिस इस पूरे कांड के पीछे का सच जानने की कोशिश कर रही है।

बीएसपी में काम दिलाने के नाम पर 3 लाख की ठगी

भिलाई (ए)। भिलाई इस्पात संयंत्र की एयर कंडीशनर शॉप में काम दिलाने के नाम पर तीन लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने शिकायतकर्ता को प्रलोभन दिया था कि बीएसपी के अधिकारियों से उसकी अच्छी जान पहचान है। वह उसे एयर कंडीशन रिपेयरिंग के काम का ठेका दिलवा देगा। कोर्ट के आदेश के बाद सुपेला पुलिस ने धारा 420 के तहत अपराध दर्ज किया है।

सुपेला टीआई दुर्गेश शर्मा ने बताया कि कुम्हारी निवासी विजय कुमार साहू (36) तनु कंस्ट्रक्शन कुम्हारी में लिपिक का काम करता है। विजय का आरोप है कि कुम्हारी कार्यालय में डोमेंद्र कुमार वर्मा से उसकी मुलाकात हुई थी। डोमेंद्र का कुम्हारी कार्यालय दुर्ग मे अक्सर आना जाना था। धीरे-धीरे दोनों में अच्छी जान पहचान हो गई। डोमेंद्र वर्मा बीएसपी के एयर कंडीशनर शॉप में कार्यरत है।

डोमेंद्र ने बताया था कि उसकी संयंत्र के एजीएम, सीईओ एवं अन्य अधिकारियों से काफी अच्छी जान पहचान है। विजय से कहा कि वह उसे भिलाई इस्पात संयंत्र में एयर कंडीशनर विभाग में पेटी कॉट्रैक्टर का काम दिला सकता है। जब विजय काम लेने के लिए तैयार हो गया तो उसके बाद उसने उससे 3 लाख रुपए की मांग की। इसमें उसने उसका ठेकेदारी लाइसेंस भी बनवाने की मांग थी।

चाकू लहराकर लोगों को धमका रहे दो गिरफ्तार

राजनांदगांव। चिखली पुलिस ने शांतिनगर इलाके में चाकू लहराकर लोगों को डरा धमका रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक नाबालिग है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार की शाम आरोपी तरुण पटेल (21) और उसका नाबालिग साथी शिव मंदिर के पास चाकू लहराकर आने जाने वालों को डरा धमका रहे थे। इसकी सूचना आसपास के लोगों ने पुलिस को दी।

अच्छे-अच्छे वादे कर देशभर में ठगी

दिल्ली में खोल रखा था कॉल सेंटर, रायपुर में धोखाधड़ी की तो खुला मामला, 4 गिरफ्तार

रायपुर (ए)। रायपुर पुलिस ने एक ऐसे ठग गिरोह को पकड़ा है जिसने देशभर में ठगी की है। इस गिरोह ने दिल्ली में एक कॉल सेंटर खोल रखा था। वहां से लोगों को अच्छे-अच्छे ऑफर कर झांसे में लेता था। इसके बाद लोगों से पैसे लिए जाते थे। इन्होंने रायपुर में भी एक शख्स के साथ ऐसा ही किया था। जिसके बाद मामला थाने तक पहुंचा और पुलिस ने गिरोह के 4 आरोपियों को पकड़ा है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

इस मामले में रायपुर के शैलेंद्र नगर के रहने वाले विज्ञान कुमार जैन ने थाने में शिकायत की थी। उसने अपने शिकायत में बताया कि 8 जुलाई को उसे किसी नंबर से फोन आया था। वो क्रेडिट कार्ड के संबंध में बात कर रहा था। इस पर विज्ञान ने भी उससे इस संबंध में बात की। विज्ञान ने उन्हें बताया कि उसे भी अपना क्रेडिट कार्ड बंद करवाना है।

इसके बाद फोन करने वाले शख्स ने कहा कि मैं क्रेडिट कार्ड बंद करवा दूंगा। लेकिन आपके नंबर पर एक ओटीपी आएगा, वो मुझे देना होगा। जिसके बाद विज्ञान ने उस शख्स को ओटीपी दे दिया। ओटीपी देते ही उसे खाते से 1 लाख 89 हजार रुपए पार हो गए। जिसके बाद उसने पूरे मामले की शिकायत थाने में की थी।

शिकायत होने के बाद पुलिस ने मामले में जांच शुरू की। जांच में पुलिस को पता चला कि जिस नंबर से विज्ञान को फोन आया था। वह नंबर दिल्ली में एक्टिव है। इसके बाद एक टीम को दिल्ली भेजा गया। वहां से पुलिस ने एक आरोपी को पहले पकड़ा था। फिर उसी की निशानदेही पर 3 आरोपियों को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि उन्होंने बिहार, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में इसी तरह ठगी की है। उन्होंने बताया कि वे लोगों को अच्छे अच्छे वादे करते थे। जिससे लोग उनकी झांसे में आ जाते थे।

इस मामले में पुलिस ने चेतन यादव, आलोक कुमार यादव, हिमांशु शुक्ला और दिलप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनसे 5 हजार कैश, दर्जनों एटीएम कार्ड एंव बैंक खातों के एटीएम, 7 मोबाइल जब्त किया है। इनसे अभी पूछताछ जारी है।

एग्रीकल्चर कॉलेज के पास रांग साइड से ओवरटेक कर रही कार पलटी

बिलासपुर (ए)। एग्रीकल्चर कॉलेज, कोनी के पास शनिवार की रात 12.45 बजे कार पलट गई। बताया जा रहा है कि रांग साइड से ओवरटेक करने के दौरान कार नाली से टकराई और पलट गई। कार में तीन लोग सवार थे, जिन्हें 112 की टीम अस्पताल लेकर गई। कार क्रमांक सीजी 10 एफए 0322 बिलासपुर से कोनी की तरफजा रही थी। इस दौरान रांग साइड से ओवरटेक करने के दौरान कार नाली से टकरा गई। कार की रफ्तार तेज होने के कारण कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें सवार लोग घायल हो गए।

ट्रेलर ने बाइक को मारी टक्कर, 3 की मौत

मंदिर दर्शन के लिए आए थे युवक और 2 नाबालिग, वापस लौटने के दौरान हादसा

रायगढ़ (ए)। रायगढ़ जिले में हुए सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। तीनों मंदिर दर्शन के लिए आए थे। वापस लौटने के दौरान इनकी बाइक को किसी ट्रेलर ने टक्कर मार दी। जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई है। हादसा खरसिया थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, कोरबा जिले के बांधापाली करतला निवासी रूप सिंह अगरिया(18), रूप नारायण अगरिया (15) और भुनेश्वर राठिया (16) बाइक से रायगढ़ में बरगढ़ मंदिर दर्शन के लिए आए थे। इसके बाद वे पूजा अर्चना कर वापस लौटे रहे थे। लौटने के दौरान तीनों अभी बरगढ़ घाट से 100 मीटर आगे हाईवे पर पहुंचे थे। उसी दौरान पीछे से आ

रहे ट्रेलर ने इन्हें टक्कर मार दिया।

हादसे में मौके पर ही तीनों की मौत हो गई थी। वहीं ट्रेलर चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया था। घटना के बाद आस-पास के लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को इस बारे में सूचना दी गई। इसके बाद पुलिस ने ही तीनों के शव को पीएम के लिए भेज दिया था। उनके परिजनों को भी सूचना दी गई थी। पुलिस अब आरोपी ट्रक ड्राइवर की तलाश कर रही है। आरोपी ड्राइवर के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

छत्तीसगढ़ सीनियर (महिला एवं पुरूष) बैडमिंटन प्रतियोगिता के चयन स्पर्धा हेतु सूचना

भिलाई। जिला बैडमिंटन संघ द्वारा छत्तीसगढ़ सीनियर (महिला एवं पुरूष) बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन एकल एवं युगल वर्ग में दिनांक 17 से 21 अगस्त, 2022 तक जगदलपुर में किया जा रहा है। जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र के खिलाड़ी भाग लेंगे। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए इंडोर हॉल, सिविक सेंटर के बैंडमिंटन कोर्ट पर दिनांक 09 अगस्त, 2022 को सुबह 10 बजे से बीएसपी (दोनो वर्ग) के टीम के गठन हेतु चयन स्पर्धा आयोजित की गयी है। अत: संयंत्र के कर्मचारी/वार्ड/भिलाई परिधीय क्षेत्र के खिलाड़ी जो इस चयन स्पर्धा में भाग लेना चाहते हैं, वे दिनांक 08 अगस्त, 2022 को संध्या 5.00 बजे तक इंडोर हॉल, सिविक सेंटर में निम्न चयनकर्ताओं के पास अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। चयनकर्ताओं में शामिल हैं- श्री जे महबूब जान, श्री प्रवीण उपाध्याय। सहायक प्रबंधक (क्रीडा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं) श्री अभिजीत भौमिक इस चयन स्पर्धा के प्रभारी होंगे।

कामनवेल्थ गेम्स में दुर्ग की बेटी आकर्षि कश्यप ने जीता सिल्वर मेडल

दुर्ग। दुर्ग के कसारीडीह निवासी 21 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी आकर्षि कश्यप ने इंग्लैंड के बर्मिंघम कामनवेल्थ गेम्स 2022 में भारतीय मिश्रित बैडमिंटन टीम में शामिल होकर टीम के लिए सिल्वर मेडल जीतने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। महिला एकल में आकर्षि कश्यप ने विदारा विदनगे को 21-3, 21-9 से हराया। अश्विनी पोनप्पा और सात्विक साईराज, रेंकीरेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी ने विजयी शुरुआत दिलाते हुए सचिन दियास व थिलिनी हेंदाहेवा को 21-14, 21-9 से हराया। इसके बाद लक्ष्य सेन ने निलुका करुणारत्ने को 21-18, 21-5 से मात दी। पुरुष व महिला युगल में जीत दर्ज कर भारत ने मैच 5-0 से अपने नाम किया। आकर्षि ने अपने दोनों मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर जीत हासिल की। आकर्षि ने बताया कि सभी को गोल्ड की उम्मीद थी। लेकिन सिल्वर से संतोष करना पड़ा। आकर्षि ने कहा कि उन्होंने मैच से लेकर टीम गेम में बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने इस स्थिति को पाने के लिए कड़ा संघर्ष किया है।

वोरा ने दुर्ग में मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ यात्रा की शुरूआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर में आज से महतारी न्याय रथ यात्रा की शुरूआत की गई। विधायक अरुण वोरा ने महतारी न्याय रथ यात्रा का शुभारंभ करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की माताओं और बहनों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में बीते साढ़े तीन वर्षों में राज्य सरकार ने कई योजनाएं शुरू की है। हरेली पर्व से प्रदेश की महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों और कानूनों की जानकारी देकर जागरूक करने और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए महतारी न्याय रथ यात्रा की शुरूआत की गई है। इस रथ के माध्यम से महिलाओं को जागरूक करने में मदद मिलेगी।

वोरा ने कहा कि इस रथ के माध्यम से पूरे राज्य में शिक्षित, अशिक्षित, गृहणी, नौकरी कर रही सभी महिलाओं को दहेज प्रताड़ना, टोनही प्रताड़ना, सामाजिक प्रताड़ना से संबंधित कानूनों, महिलाओं के अधिकार जैसे विषयों पर जागरूक किया जाएगा। महिलाओं के लिए बने कानूनों, नियमों और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। महिलाएं अपनी समस्याओं के समाधान के लिए नि:शुल्क और त्वरित न्याय पाने के लिए सुगमता से महिला आयोग में आवेदन भी कर सकती हैं।

महतारी न्याय रथ से बढ़ेगी जागरूकता : रथ में महिलाओं की समस्याओं को सुनकर उन्हें जानकारी और सलाह दी जाएगी। इसमें बड़ी एलईडी स्क्रीन होगी, जिसमें छत्तीसगढ़ी और हिंदी भाषा में विभिन्न कानूनों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत लघु फिल्में दिखाई जाएंगी। लोगों को शॉर्ट फिल्मों, संदेशों और ब्रोशर के माध्यम से महिलाओं के कानूनी प्रावधानों और उनके संवैधानिक अधिकारों के बारे में अवगत कराया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग की दुर्ग शहरी परियोजना अधिकारी रचिता नायडू ने बताया कि महतारी न्याय रथ के माध्यम से महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। यह रथ दुर्ग जिले के विभिन्न स्थानों का भ्रमण करेगा और महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेगा। रथयात्रा की शुरूआत के अवसर पर भिलाई नगर निगम के एमआईसी मेंबर सीजू एंथोनी, दुर्ग नगर निगम के एल्डरमेन राजेश शर्मा भी मौजूद रहे।

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को जन्मदिन पर बधाई देने उमड़े लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश के गृह,जेल, लोक निर्माण, धर्मस्व व पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू को जन्मदिन पर शनिवार को बधाईयों का तांता लगा रहा। उनका हर कोई समर्थक व शुभचिंतक उन्हे बधाई देने उत्साहित नजर आया। फ्लस्वरुप साहू के दुर्ग स्थित मीनाक्षी नगर आवास में सुबह से ही समर्थकों की भीड़ जुटी।

जहां साहू के समर्थकों व शुभचिंतकों ने उन्हे फूलमाला पहनाकर जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर को यादगार बनाने समर्थकों द्वारा साहू को अपने-अपने अंदाज में शुभकामनाएं दी गई। कई समर्थकों ने उनके जन्मदिन पर केक काटा, तो कई लोगों द्वारा साहू का फूलमालाओं से स्वागत व मिठाईयां बांटकर जन्मदिन की खुशियां मनाई गई। उत्साहित कार्यकर्ताओं द्वारा जमकर आतिशबाजी भी की गई। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को जन्मदिन पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत ने दूरभाष पर बधाई देकर उनके सुखमय जीवन की कामना की है। इसके अलावा प्रदेश के मंत्रीगण, विधायक अरुण वोरा, बेमेतरा विधायक आशीष छावड़ा, गुंडरदेही विधायक कुंवर निषाद,संगीता सिन्हा,महापौर धीरज बाकलीवाल, रिसाली महापौर शशि सिन्हा, आयुक्त आशीष देवांगन व अन्य विधायकों, महापौर व प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने उनके आवास पहुंचकर बधाई दी। कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं में साहू को बधाई देने होड़ लगी रही।

जिला अस्पताल पहुंचे कलेक्टर, दो ओपीडी अतिरिक्त आरंभ करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा जिला अस्पताल पहुंचे यहां उन्होंने ओपीडी एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने मरीजों से बातचीत की तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं के और इलाज के बारे में पूछा। मरीजों ने बताया कि इलाज अच्छा हो रहा है। खाना भी अच्छा मिल रहा है। केवल वाशरूम की साफ-सफाई का इशू है। वाशरूम गंदा रहता है। कमोबेश सभी वार्डों में यह शिकायत सामने आई।

इसके बाद कलेक्टर ने हाउसकीपिंग का काम देखने वाले एजेंसी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में साफ-सफाई सबसे अहम है, विशेषकर वाशरूम की सफाई बेहद जरूरी है और नियमित रूप से होनी चाहिए। कलेक्टर ने अपने निरीक्षण की शुरुआत ओपीडी के रिसेप्शन काउंटर से की। यहां पर उन्होंने मरीजों से पूछा कि कब से खड़े हैं। मरीजों ने बताया कि 15 मिनट से खड़े हैं। कलेक्टर ने कहा कि लोगों का समय बहुत महत्वपूर्ण होता है और क्योंकि वह इलाज के लिए आए हैं इसलिए कोशिश होनी चाहिए कि जल्द से जल्द इनका इलाज शुरू हो जाए और पर्ची कट जाए। इसके लिए उन्होंने 2 अतिरिक्त काउंटर आरंभ करने के निर्देश दिए। इसके बाद वे दवा काउंटर में भी गए। यहां पर अच्छी व्यवस्था पाई गई। कलेक्टर ने सभी ओपीडी का निरीक्षण किया।

बीएसपी के निकासी द्वार में टैक्स इनवॉइस प्रिंट का अनिर्बान दासगुप्ता ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मार्केटिंग विभाग द्वारा ग्राहकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने हेतु टैक्स इनवाइस प्रिंटिंग व सौंपने की नई व्यवस्था का शुभारम्भ किया। 6 अगस्त 2022 को, एग्जिट गेट्स पर ग्राहकों को रोड डिस्पैच के लिए टैक्स इनवॉइस को प्रिंट करने और सौंपने के लिए नई व्यवस्था के रूप में लगाए गए क्योस्क का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें संयंत्र के निदेशक प्रभारी, अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा इस नई व्यवस्था का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए के भट्टा, कार्यपालक निदेशक (खदान), तपन सूत्रधार तथा कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं), एस मुखोपाध्याय तथा अन्य सभी वरिष्ठ अधिकारी और ग्राहकगण उपस्थित रहे। विदित हो कि यह भिलाई इस्पात संयंत्र के विपणन विभाग द्वारा ग्राहक संतुष्टि की दिशा में सेल के दृष्टिकोण के अनुरूप सबसे महत्वपूर्ण प्रणालीगत सुधार परियोजना में से एक है।

इस अवसर पर संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि यह नई सुविधा हमारे ग्राहकों को बेहतर सेवा देने में सफल होगी।

ब्लास्ट फर्नेस एवं एसजीपी विभाग के कर्मवीरों को मिला शिरोमणि सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस एवं एसजीपी विभाग में षिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन वर्क्स बिल्डिंग नं. 8 के प्रथमतल सभागार में किया गया। इस अवसर पर विभाग के उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया गया।

अप्रेल से जून 2022 तिमाही के लिए प्रबन्धक आर जयराम को पाली षिरोमणि पुरस्कार एवं जुलाई 2022 माह के लिए मास्टर टेक्नीषियन चुन्नी लाल ठाकुर एवं पी जोतेष्वर राव को कर्म षिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य महाप्रबन्धक (लौह) तापस दासगुप्ता एवं मुख्य महाप्रबन्धक (ब्लास्ट फर्नेस) सौम्य तोकदार ने अपने-अपने सम्बोधन में सभी पुरस्कृत विजेताओं को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। समारोह में विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण ए के गणवीर, अरविंद गुप्ता, ए के जोषी, राजेष गायकवाड़, आर आनन्द, विकास नषीने, वनोद दास एवं आदित्य नेमा भी उपस्थित थे। उन्होंने भी अपने सम्बोधन में सभी पुरस्कार विजेताओं द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

समारोह का संचालन सुश्री अनुराधा साहा, प्रबन्धक (कार्मिक) ब्लास्ट फर्नेस एवं एसजीपी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मदन मोहन श्रीवास्तव, अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी, श्रीमती ममता एवं श्रीमती हसीना बेगम का भी विषेष योगदान रहा।

हर घर तिरंगा अभियानः घर-घर फहरेंगे महिला समूहों द्वारा बनाए गए तिरंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

महापौर एवं आयुक्त ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए 11 से 17 अगस्त तक अपने-अपने घरों व प्रतिष्ठानों में तिरंगा झंडा फहराने की अपील

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान के लिए दुर्ग में महिला समूहों द्वारा बनाए गए तिरंगा झंडे घर-घर में फहराए जाएंगे। सक्षम क्षेत्र स्तरीय समिति संगठन से जुड़े महिला समूह द्वारा झंडों की सिलाई का काम किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि आठ अगस्त तक महिलाओं द्वारा हजारो झंडे बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त प्रकाश सर्वे ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए 11 से 17 अगस्त तक अपने-अपने घरों व प्रतिष्ठानों में तिरंगा झंडा फहराने की अपील की है।संगठन की महिलाओं ने शुरू किया है। इन झंडों को बनाने के लिए माप आदि की तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन आजीविका मिशन से जुड़े अधिकारियों ने दिया है। स्व सहायता समूह की महिलाएं खादी और पालिस्टर कपड़े के दो प्रकार के तिरंगा झंडा बना रही हैं।

झंडे 20 इंच ऊंचाई और 30 इंच चौड़ाई की निर्धारित माप में बनाए है। प्रति तिरंगा झंडा की कीमत 50 रुपये की दर से बिक रहा है।इसके लिए नगर पालिक निगम ने आज इंद्रिरा मार्केट पार्किंग स्थित दुकान का शुभारंभ आयुक्त प्रकाश सर्वे ने उपायुक्त मोहेंद्र साहू,थानसिंग यादव,मुक्तेश सहित अन्य के मौजूदगी में की।

महिला समूहों की सदस्यों द्वारा बनाये गए इन झंडों को किफायती दरों पर के साथ बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त प्रकाश सर्वे ने निर्देश दिया कि नगर निगम क्षेत्र में और भी चिन्हित जगहों में भी स्टाल लगाकर शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों सहित आम जनों को झंडे उपलब्ध आसानी से कराए जा सके। गौरतलब है कि स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने के अवसर पर देश भर में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इस महोत्सव के तहत 11 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950